RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर सोमवार ●27 नवंबर , 2023 वर्षः-11 अंक - 209 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

श्रृंखला 1 – "समरथ को नहीं दोष गोसाईं"

समरथ (बाहुबली) संजय दासोत का सॉलिटेयर "खेल"

अख़बार ने किये सवालों में कलेक्टर और आईजी को भी लूप में रखा पर दासोत ने नहीं दिया कोई जवाब

डॉ देवेन्द्र मालवीय
9827622204

तुलसीदास जी की एक चौपाई है "समरथ को नहीं दोष गोसाई, रवि सुरसरि पावक की नाईं।" अर्थात सामर्थ्यवान व्यक्ति (साधन सम्पन्न, बलशाली, प्रभावशाली) का आचरण सुनिश्चित सामाजिक मर्यादाओं के विपरीत होने पर भी उसे नियम विरुद्ध आचरण का दोषी नहीं माना जाता है।

यह चौपाई इंदौर के बड़े बिल्डर संजय दासोत पर अक्षरशः लागू होती है क्यूंकि ये इतने प्रभावशाली हैं कि किसी भी परंपरा या नियम को माने या न माने इसके लिए स्वतंत्र हैं इन पर किसी का कोई जोर नहीं चलता है। ये कोई भी गलत काम करें प्रशासन इनकी हां में हां मिलाता है, विरोध नहीं करता है। कई मीडिया ग्रुप से जुड़े होने और उनके द्वारा लगाए जाने वाले मेलों में पार्टिसिपेट करने एवं लाखों रुपयों के खर्चे के कारण बड़े मीडिया समूह इनके काले चिट्ठों को नहीं खोलते, दासोत के एजेंट इन आवास मेलों में भी अपने रेरा पंजीकृत योजनाओं की आड़ में प्री लॉन्चिंग योजनाओं को बेचने से नहीं हटते। इनकी कई कम्पनियां/फर्म है जिनमें से एक है सॉलिटेयर रियल्टी।

प्रिय पाठकों यदि आप किसी भी बिल्डर, एजेंट्स या प्रॉपर्टी संबंधित लोगों से परेशानियां झेल रहे हैं तो हमसे संपर्क करें हम आपकी लड़ाई में पूरा साथ देंगे, संपर्क करें 9827622204

इंदौर. सॉलिटेयर के कई मायनों में अलग अलग अर्थ है पर यह एक खेल का नाम भी है **"सॉलिटेयर"**

एक खिलाड़ी द्वारा खेले जाने वाला ताश का खेल है। इसे आप कंप्यूटर पर या फिर ताश के पत्तों के साथ भी खेल सकते हैं। कई बार इस खेल को खत्म कर पाना असंभव होता है इसीलिए इस खेल का दूसरा नाम पेशेंस यानि की **"सब्र"** भी रखा गया है, इस खेल को जीतना आसान नहीं है।

रेरा की वेबसाइट में प्रमोटर्स डिटेल्स के मुताबिक सॉलिटेयर रियल्टी फर्म के दो पार्टनर है अमन दासोत और संजय दासोत, दासोत परिवार इंदौर में सैकड़ों एकड़ जमीन का मालिक है. संजय दासोत की गिनती प्रदेश के बड़े बिल्डर्स में होती है पूर्व में साकार रियल्टी फर्म के नाम से कई कॉलोनियों को लॉंच कर चुके हैं, हालांकि इनके प्रोजेक्ट के बारे में जनता द्वारा कहा जाता है कि **"इनके प्रोजेक्ट शुरू तो जल्दी होते है पर ख़तम नहीं होते"** वर्षों वर्ष निवेशक फंसे ही रह जाते हैं. जनता के दावे पर जब हमने खोज की तो पाया कि वाकई लोगों को दिखाए गए सपने **"साकार"** नहीं हो रहे है. साकार रियल्टी फर्म पार्टनरशिप में संजय दासोत, राजेश कुमार गोयल, गोपाल दास गोयल, देवेंद्र कुमार दासोत का नाम भी रेरा की वेबसाइट पर मिला।

लोगों के सपनों को "साकार" नहीं कर पा रहे दासोत अब "सॉलिटेयर" के नाम से "खेल" कर रहे है. यहाँ भी निवेशकों को कितना "सब्र" रखना पड़ेगा इसका जवाब मिलना मुश्किल है.

सॉलिटेयर रियल्टी के दो प्रोजेक्ट सिम्बा सिटी और शिव नगरी बिंदास खुलेआम प्री लॉन्चिंग में बेचे जा रहे हैं

जब इस मामले में दैनिक सद्भावना पाती अखबार ने अमन दासोत और संजय दासोत से सवाल किये जिसके लूप में कलेक्टर और आईजी इंदौर को भी रखा तब भी दासोत ने जवाब देना उचित नहीं समझा क्योंकि "समरथ को नहीं दोष गोसाईं, रवि सुरसरि पावक की नाईं।"

हम कड़ी दर कड़ी पाठकों के सामने वो सवाल ला रहे हैं और उन सवालों के पीछे हमारे द्वारा की गई इन्वेस्टिगेशन एवं रेरा के नियमों को भी रख रहे हैं. आगे देखना यह होगा कि शासन इस मामले को कितना गंभीरता से लेगा या तुलसीदास जी की कही चौपाई को यथार्थ रखेगा।

दिनांक 26-10-2023 को किये गए सवालों में से 2 सवाल यह है-

सवाल नंबर 1» आपके सॉलिटेयर रियल्टी द्वारा इंदौर में प्रस्तावित शिवनगरी एवं सिम्बा सिटी प्रोजेक्ट कितने एकड़ के प्रोजेक्ट है ?

इस फर्म से जुड़े एजेंटों और हमारी पड़ताल के अनुसार शिव नगरी – उज्जैन रोड लवकुश चौराहे से 12 किलोमीटर दूर स्थित शिवनगरी 700 एकड़ जमीन जिसका लागत अनुमानित मूल्य एक हजार करोड़ रूपए है. यहाँ की सड़कें अत्यधिक बड़ी व चौड़ी होंगी, 40 बीघा में 4 ज्योतिर्लिंग मंदिरों का निर्माण होगा, बड़ी बड़ी कंपनियों डी मार्ट आदि का आना होगा, ऐसे कई सपनों को रेरा अनुमति पूर्व ही इसपर प्लोटिंग करके कई गुना मूल्य लगभग 2300 स्क्वायर फीट के मान से बेच कर प्री लांच के खेल में ही कई हजारों करोड़ों की कालेधन की उगाई की जा चुकी है. एजेंट के दावे अनुसार 3 महीने में ही 5000 प्लाट सेल किये जा चुके है।

सिम्बा सिटी – बाईपास से करीब 7 किलोमीटर की दूरी पर सिम्बा सिटी 100 एकड़ का प्रोजेक्ट है जिसका अनुमानित लागत मूल्य चार सो करोड़ रूपए है।

आइफ़्लि सिटी – कनाडिया रोड पर 150 एकड़ का प्रोजेक्ट है जिसका अनुमानित लागत मूल्य पांच सो करोड़ रूपए है इसके लिए 7 वंडर्स आदि के सपने दिखा कर काली कमाई की उगाही की जा रही है।

यानि कि कुल जमीन 1250 एकड़ के लगभग, कुल अनुमानित लागत मूल्य दो हजार करोड़ है. इसपर प्लोटिंग करके कई गुना मूल्य लगभग 2300 स्क्वायर फीट के मान से बेच कर प्री लांच का खेल खेला जा रहा है. अभी कोई ग्राहक शिकायत न कर सके इसलिए उसको 12 प्रतिशत रिटर्न की गारंटी दी जा रही है।

रेरा के अधिनियम 2016 की धारा 3 के अनुसार कोई भी प्रमोटर रेरा में रजिस्टर्ड कराये बिना कोई भी योजना को नहीं बेच सकता, नियमानुसार हर प्रोजेक्ट की जानकारी रेरा को देना आवश्यक है. (इसके उल्लंघन पर धारा 59 के मुताबिक परियोजना की लागत का 10 प्रतिशत तक जुर्माना, रेरा यदि नियमानुसार पेनल्टी की कार्यवाही करें तो **प्रोजेक्ट कॉस्ट के हिसाब से 200 करोड़ से अधिक की वसूली की जा सकती है।)**

सवाल नंबर 2» सॉलिटेयर रियल्टी द्वारा इंदौर में प्रस्तावित शिवनगरी एवं सिम्बा सिटी प्रोजेक्ट के टीएंडसीपी नंबर (अप्रुवल) क्या है ?

हमारी पड़ताल इस फर्म से जुड़े एजेंटों के अनुसार अभी टीएंडसीपी नंबर नहीं आया है, सूत्रों के अनुसार इन बड़े जमीन के हिस्सों की रजिस्ट्री भी नहीं हुई है हमने सच्चाई जानने के लिए ही सवाल किये थे ताकि सच सामने आये परन्तु जवाब नहीं दिया गया।

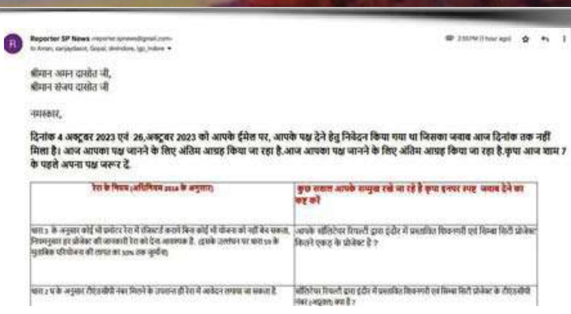
Reporter SP News

श्रीमान अमन दासोत जी,
श्रीमान संजय दासोत जी

नमस्कार,

दिनांक 4 अक्टूबर 2023 एवं 26 अक्टूबर 2023 को आपके ईमेल पर, आपके पक्ष देने हेतु निवेदन किया गया था जिसका जवाब आज दिनांक तक नहीं मिला है। आज आपका पक्ष जानने के लिए अंतिम आग्रह किया जा रहा है.

रेरा के अधिनियम 2016 की धारा 2 (घ) के अनुसार टीएंडसीपी नंबर मिलने के उपरान्त ही रेरा में आवेदन लगाया जा सकता है।

संजय दासोत जानते हैं कि वो नियमानुसार कार्य नहीं कर रहे हैं और गलत जवाब दे नहीं सकते इसलिए हमारे सवालों से बच रहे हैं। सवालों के जवाब नहीं देकर वह हमारी पड़ताल पर मुहर लगा रहे हैं.. क्या जिला प्रशासन और दूसरे जिम्मेदार विभाग इस घाव के नासूर बनने का इंतजार कर रहे हैं ?

सद्भावना अपील

बाजार में काम करने वाले रियल स्टेट एजेंटों से हम अपील करते है की किसी भी प्रमोटर का काम करने से पहले उसके पूर्व में किये गए प्रोजेक्ट्स (इतिहास) के बारे में जान ले, समझ लें. आप खुद भी पंजीकृत हों और सिर्फ रेरा पंजीकृत योजना ही बेचें। धोखा होने पर बड़े-बड़े लोग अपने पैसो की ताकत से बच जाते है, छोटे एजेंट्स पुलिस और कोर्ट के फेरे में फंसे रह जाते हैं।

उत्तराखंड के 3 लैंडिंग डॉक टेकओवर करेगी वायुसेना

- इनसे एलएसी पर स्ट्रैटेजिक ऑपरेशन में मदद मिलेगी; राज्य की कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना उत्तराखंड में तीन एयर लैंडिंग स्ट्रिप्स को अपने कब्जे में लेने की प्रक्रिया में है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि यह फैसला न केवल सिक्योरिटी फोर्सेस के लिए चीन बॉर्डर से जुड़े रणनीतिक फैसले लेने में मदद करेगा, साथ ही राज्य की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा। वायुसेना ने जिन तीन एयर स्ट्रिप्स का जिक्र किया है उनमें कुमाऊं की पहाड़ियों में बने पिथौरागढ़, गढ़वाल की पहाड़ियों में बने धरासू और गौचर शामिल हैं। रैबार-5 कार्यक्रम के दौरान सेना ने कहा- पिथौरागढ़, धरासू और गौचर उत्तराखंड में लैंडिंग ग्राउंड हैं।

बिहार में जेडीयू की भीम संसद आरजेडी का एमवाय मिशन

बीजेपी ने भी ऐक्टिव किया 'काउंटर प्लान', नीतिश-लालू को होगी टेंशन!

पटना (एजेंसी)। जातीय सर्वे के बाद बिहार एक बार फिर जातीयों को पकड़ने की राह पर चल पड़ा है। जिस जाति के वोट बैंक को साधना हो, उस जाति के महापुरुषों की जयंती या पुण्यतिथि मनाने से प्रमुख दल चूक नहीं रहे हैं। बीजेपी ने यादव सम्मेलन कर लालू यादव

- बीजेपी यादव सम्मेलन कर लालू के वोट बैंक पर साध चुकी है निशाना
- अब जेडीयू के भीम संसद के खिलाफ बीजेपी मनाएगी अंबेडकर जयंती

के एमवाय समीकरण पर निशाना साधा तो रविवार को जदयू ने भीम संसद बुला कर दलित वोट बैंक पर निशाना साधा है। बीजेपी इस क्रम में ज्यादा आक्रामक और योजनाबद्ध तरीके से महापुरुषों की जयंती मनाने में दिलचस्पी दिखा रही है। जदयू ने आज भीम संसद बुलाकर दलित मतों को साधने की कोशिश की है। वह भी नीतिश कुमार के इस थीम के साथ कि जब तक दलितों की बड़ी आबादी को राजनीतिक,आर्थिक और

सामाजिक रूप से मजबूत नहीं किया जाएगा, तब तक दलितों का संपूर्ण विकास संभव नहीं है। और दलितों के विकास के बिना 21 सदी के बिहार का निर्माण संभव नहीं। इसके जवाब में बीजेपी भी 7 दिसंबर को मिलर स्कूल के मैदान में अंबेडकर जयंती मनाने जा रही है। निशाना पर 20 प्रतिशत वोट है। इसके लिए बीजेपी ने संगठन के सभी प्रमुख नेताओं को भीड़ जुटाने की जिम्मेदारी दी है, ताकि भीम संसद को चुनौती दी जा सके।

महाराष्ट्र में मुस्लिमों को भी मिले पांच फीसदी

मनोज जरांगे और छगन भुजबल के बाद उलेमा बोर्ड ने दी चेतावनी

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण आंदोलन को लेकर ओबीसी वर्ग की तरफ से विरोध चल रहा है। अब राज्य में मुस्लिमों के लिए आरक्षण की मांग सामने आई है। ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड (एआईयूबी) ने चेतावनी दी कि अगर महाराष्ट्र में मुस्लिम समुदाय को राज्य सरकार द्वारा शिक्षा में 5 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा नहीं किया गया तो यह समुदाय बड़ा आंदोलन शुरू करेगा। एआईयूबी की मांग राज्य भर में चल रहे मराठा आरक्षण आंदोलनों, धनगरों द्वारा एनटी (सी) से एसटी में वर्गीकरण बदलने की मांग और ओबीसी द्वारा अपने मौजूदा आरक्षण की रक्षा करने की मांग के बीच आई है। आरक्षण के अलावा सम्मेलन ने राज्य के सभी उर्दू माध्यम स्कूलों में अरबी भाषा शिक्षण शुरू करने की भी मांग की है। राज्य में मराठा समुदाय के लिए आरक्षण को मनोज जरांगे पाटिल दो बार भूख हड़ताल कर चुके हैं तो वहीं ओबीसी वर्ग का आरक्षण प्रभावित होने की आशंका को लेकर महाराष्ट्र के मंत्री और ओबीसी लीडर छगन भुजबल हमलावर हैं। एआईयूबी के वक्फ विंग के प्रमुख सलीम सारंग ने कहा कि सम्मेलन में इन सभी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई और मांगों को मानने के लिए सरकार से औपचारिक अनुरोध किया जाएगा। 2024 में होने वाले लोकसभा और विधानसभा चुनावों के साथ उन्होंने परोक्ष चेतावनी जारी की कि यदि मुस्लिम समुदाय चुनावों में किसी विशेष उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित नहीं कर सकता।

मतगणना के मापदण्डो से अवगत हुए अभ्यर्थी व राजनैतिक दलो के पदाधिकारी

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव की अध्यक्षता में जिला स्तरीय स्टेडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई थी जिसमें अभ्यर्थी व राजनैतिक दलो के अधिकृत पदाधिकारी मौजूद रहें। कलेक्टर श्री भार्गव ने विधानसभा 2023 के तहत जिले की पांचो विधानसभाओं के मतदान उपरांत ईव्हीएम हेतु बनाए गए स्ट्रांगरूम शासकीय आदर्श महाविद्यालय जाफरखेडी में आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम अनुसार तीन दिसम्बर को मतगणना कार्य प्रातः आठ बजे से शुरू होगा। कलेक्टर श्री भार्गव ने मतगणना के संबंध में निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशो की बिन्दुवार जानकारी से अभ्यर्थियों व उनके प्रतिनिधियों को अवगत कराया है। इस दौरान अनेक अभ्यर्थियों ने मतगणना के संबंध में अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया। कलेक्टर श्री भार्गव ने बताया कि पांचो विधानसभाओं के डाकमत पत्र दो नवम्बर की सायं चार बजे तक मतगणना स्थल शासकीय आदर्श महाविद्यालय जाफरखेडी में चिन्हित किए गए हॉल में जमा की जाएगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में विदिशा और शमशाबाद के डाकमत पत्र जिला कोषालय में रखे गए है जबकि कुरवाई, सिरोंज और शमशाबाद के डाकमत पत्र संबंधित तहसील के उप जिला कोषालय के डबल लॉक में सुरक्षित रखे गए है। प्रत्येक विधानसभा की डाकमत पेटियों को स्ट्रांग रूम में लाया जाएगा। इस दौरान बताया गया कि कर्मचारियों, 80 प्लस व दिव्यांगों के द्वारा डाकमत से किए गए

मतदान की संख्यात्मक जानकारी से अवगत कराया गया है तदानुसार विदिशा विधानसभा में 2579, बासौदा में 1638, कुरवाई में 957, सिरोंज 953 तथा शमशाबाद विधानसभा क्षेत्र में 963 डाकमत पत्र प्राप्त हुए है। डाकमत पत्रों की गणना के लिए दो हाल चिन्हित किए गए है जिसमें से एक कक्ष में विदिशा और शमशाबाद विधानसभा के डाकमत पत्रों की गणना कार्य किया जाएगा। इसके लिए विदिशा विधानसभा हेतु चार टेबिल तथा शमशाबाद के लिए दो टेबिल लगाई गई है जबकि दूसरे कक्ष में बासौदा, कुरवाई एवं सिरोंज के डाकमत पत्रों का गणना कार्य किया जाएगा उक्त कक्ष में बासौदा विधानसभा की तीन, कुरवाई एवं सिरोज विधानसभा के लिए क्रमशः दो-दो टेबिल लगाई जाएगी। कलेक्टर श्री भार्गव ने बताया कि ईव्हीएम मतो की गणना कार्य हरेक विधानसभा के लिए 14-14 टेबिल लगाई जाएगी। इन टेबिलो पर स्ट्रांगरूम से गणना कक्ष तक ईव्हीएम लाने वाले कर्मचारियों की पहचान कलर जैकेट से की जाएगी वहीं हरेक गणना कक्ष में चार-चार सीसी कैमरे भी लगे रहेंगे जिनका सीधा प्रसारण गणना कक्ष में देखा जा सकेगा। कलेक्टर ने बताया कि इन सबके पीछे स्ट्रांग रूम से ईव्हीएम लेकर निकलने वाले कर्मी गणना कक्ष तक पहुंच रहे है का सीधा प्रसारण देखा जा सकेगा। कलेक्टर श्री भार्गव ने राउण्डवार मतो की गणना के लिए आयोग से प्राप्त दिशा निर्देशो पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए गणना कक्ष में अभ्यर्थियों के द्वारा नियुक्त किए जाने वाले गणना अभिकर्ताओं की बैठक व्यवस्था के संबंध में बिन्दुवार जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि मतगणना परिसर में अभ्यर्थी व उनके द्वारा नियुक्त होने वाले पोलिंग ऐजेन्टो के लिए सफेद रंग के कार्ड जारी किए जाएंगे। ऐसे अभ्यर्थी जो गणना कक्ष में नहीं बैठना चाहते है उनके लिए मीडिया सेन्टर के बाजू में बैठक व्यवस्था सुनिश्चित कराई गई है। कलेक्टर श्री भार्गव ने गणना परिसर में प्रतिबंधित सामग्री पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी व उनके गणना अभिकर्ता अपने साथ सिर्फ पेन व कागज ले जा सकेगे। उनके द्वारा खाने पीने की सामग्री को लेकर आने वाले कर्मचारियों के लिए पृथक से पास जारी किए जाएंगे। कलेक्टेउट कार्यालय के बेतवा सभागार कक्ष में सम्पन्न हुई इस बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला, अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, संयुक्त कलेक्टर श्री राजेश गुप्ता, श्री विष्णुप्रसाद यादव, श्री अवनीश मिश्रा के अलावा पांचो विधानसभाओं के रिटर्निंग आफीसर, सहायक रिटर्निंग आफीसर तथा विभिन्न प्रकोष्ठो के नोडल अधिकारी भी मौजूद रहें।

मीडिया प्रतिनिधियों को मतगणना संबंधी प्रशिक्षण दिया गया

हरदा (निप्र)। 1 आगामी 3 दिसंबर को विधानसभा निर्वाचन के लिए पॉलिटेक्निक कॉलेज में हरदा और टिमरनी विधानसभा क्षेत्र की मतगणना की जाएगी। हरदा के मीडिया प्रतिनिधियों को शनिवार को कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में मतगणना के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में संयुक्त कलेक्टर श्री के.सी. परते और जिला शिक्षा अधिकारी श्री एल.एन. प्रजापति भी मौजूद थे। प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर श्री डी.एस. रघुवंशी ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से पत्रकारों को मतगणना की राउंडवार प्रक्रिया के बारे में समझाया। उन्होंने बताया कि मतगणना स्थल पर मीडिया प्रतिनिधि केवल मीडिया सेंटर तक ही अपने मोबाइल फोन ले जा सकेंगे। मतगणना हॉल में मोबाइल फोन ले जाने पर सख्त प्रतिबंध रहेगा। उन्होंने बताया कि पत्रकारों को छोटे-छोटे समूहों में जनसंपर्क अधिकारी के साथ मतगणना हॉल में ले जाकर मतगणना की प्रक्रिया का अवलोकन कराया जाएगा। संयुक्त कलेक्टर श्री परते ने इस अवसर पर बताया कि मतगणना के प्रत्येक राउंड के पूरा होने के बाद, मीडिया प्रतिनिधियों को अभ्यर्थियों को प्राप्त मतों की राउंडवार जानकारी उपलब्ध करा दी जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

किसान, गोबर और गौ-मूत्र से खाद बनाएँ

सीहोर (निप्र)। किसान भाई सदियों से गोबर से खाद बनाता आया है। कृषि विभाग के अधिकारी प्राकृतिक संसाधनों से जैविक खाद का अपयोग करने की सलाह लगातार दे रहे है अब किसान जानगये है ओर अब कई किसानों ने गौ-मूत्र और गोबर, पत्तों से खाद बना कर खेतों में उपयोग किया जा सकता है। हम सभी को प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने में अपनी भूमिका निभानी होगी। प्राकृतिक खेती हम सभी के लिये लाभदायक है। किसान अपने खेत पर गोबर और गौ-मूत्र से खाद भी बनाया है। मध्यप्रदेश के किसान प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। कई किसानों ने अपने खेत में प्राकृतिक खेती प्रारंभ की है। वे गोबर, गौ-मूत्र, मिट्टी, पत्ते, वनस्पति और गुण से जीवामृत बना रहे हैं। प्राकृतिक संसाधनों से खाद बनाने में लागत भी कम आती है और फसल में पैदावार भी अच्छी होती है। प्रदेश में प्राकृतिक उत्पाद की मांग बढ़ी है।

सिकलसेल रोग में होम्योपैथी दवाई कारगर साबित हो रही है

सीहोर (निप्र)। विशेष पिछड़ी जनजाति समूह में पाये जाने वाले सिकल सेल रोग के उन्मूलन के लिये आयुष विभाग के अंतर्गत संचालित शासकीय होम्योपैथी चिकित्सालय शोध कार्य कर रहे हैं। इन जनजाति समूह में रोग से बचाव के लिये होम्योपैथी दवाई कारगर साबित हो रही है। शासकीय होम्योपैथी अस्पताल ने जनजातीय क्षेत्रों में बैगा और भारिया समुदाय में शोध कार्य किया है। स्क्रीनिंग के बाद पॉजिटिव पाये गये चिन्हित मरीजों को होम्योपैथी दवाई दी गई। दवाई का यह प्रभाव रहा कि वे अब कम बीमार पड़ते हैं। जिन रोगियों को शरीर में दर्द और खून की कमी की शिकायत थी, वे अब अच्छा महसूस कर रहे हैं। जिन मरीजों में ब्लड ट्रांसफ्यूजन बार-बार होता था, उनमें भी कमी आई है। होम्योपैथी अस्पताल द्वारा सिकल सेल में शोध कार्य किया जा रहा है। इनमें विश्व स्वास्थ्य संगठन, एम्स भोपाल, आईसीएमआर-एनआईआरटीएच जबलपुर लगातार सहयोग कर रहे हैं। अनुसंधान और रोगियों के इलाज के अलावा शासकीय होम्योपैथी अस्पताल द्वारा चिन्हित किये गये मरीजों को राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ भी दिलाया गया है। जनजातीय क्षेत्रों में किये जा रहे अनुसंधान और दी जाने वाली होम्योपैथी दवाई की गुणवत्ता का आकलन करने के लिये एक नये यंत्र की खोज भी की गई है। इस यंत्र के माध्यम से होम्योपैथी दवा की गुणवत्ता प्रमाणित हो सकेगी। इसके लिये केन्द्र सरकार के सीएसआईआर के साथ एमओयू भी किया गया है। सिकल सेल से पीड़ित मरीज में शरीर के जोड़ों में तेज दर्द, हाथ और पाँव में सूजन, साँस लेने में तकलीफ, सीने में अत्यधिक दर्द, निमोनिया की शिकायत, लीवर की सूजन तथा स्ट्रोक जैसे जटिल लक्षण देखे जाते हैं। रोगियों को सिकल सेल रोग से बचाव के लिये होम्योपैथी चिकित्सकों द्वारा समझाइश भी दी जा रही है।

नि:शुल्क उपचार कराए, टीबी रोग दूर भगाए

सीहोर (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि टीबी संक्रमण बीमारी है। खांसी, बुखार आना, भूख न लगना आदि टीबी के लक्षण हो सकते है। टीबी कोई भयानक बीमारी नहीं है, टीबी का ईलाज संभव है। व्यक्ति को 6 माह डॉट पद्धति का ईलाज लेना अनिवार्य है। प्रत्येक क्षय रोगी को ईलाज लेने पर 500 रूपये पोषण के लिये प्रदान किये जाते है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि टीबी से बचने के लिये सभी स्वास्थ्य सेवायें जिला अस्पताल, सिविल हॉस्पिटल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर एवं उप स्वास्थ्य केन्द्र संस्थाओं पर संपर्क कर टीबी की जांच व उपचार से बीमारी पर रोक लगाई जा सकती है।

जन्मजात विकृतियों की शीघ्र पहचान एवं प्रबंधन

सीहोर (निप्र)। जन्मजात विकृतियों की शीघ्र पहचान एवं प्रबंधन के लिए स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि प्रसव केन्द्रों के चिकित्सकों, स्टाफ नर्स एवं एएनएम जन्मजात विकृतियों के बारे में सभी प्रशिक्षित है जीवित प्रसवों में से लगभग ढाई से 3 प्रतिशत बच्चों में विजिबल जन्मजात विकृति की संभावना होती है। क्लेफ्ट लिप, क्लेफ्ट पेलेट, जन्मजात केट्रेक्ट, क्लब फुट, जन्मजात हृदय विकृति, न्यूरल ट्यूब डिस्ऑर्डर, सिर में पानी भरने की समस्या होने पर उसे जन्मजात विकृति की श्रेणी में रखा जाता है। जन्म के समय बच्चों में ऐसे लक्षण दिखने पर शीघ्र ही उपचार प्रदान करना आवश्यक होता है। सही समय पर विकृतियों की पहचान कर समस्याओं का प्रबंधन किया जा सकता है। प्रसव के समय लेबर रूम एवं प्रसव पश्चात देखभाल से जुड़े चिकित्सकीय एवं पैरामेडिकल स्टाफ को इन समस्याओं की पहचान एवं प्रबंधन के लिए उन्मुखीकरण प्रदान किया गया हे। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जन्मजात विकृतियों, पौष्टिकता की कमी, बीमारियों एवं विकासात्मक देरी के बच्चों का चिह्नांकन किया जाता है। आरबीएसके दल द्वारा समुदाय में से ऐसे बच्चों की स्क्रीनिंग कर चिह्नांकित किया जाता है। इन बच्चों को जांच, उपचार एवं थेरेपी की सुविधा नि:शुल्क उपलब्ध करवाई जाएगी।

विवाहिता के साथ दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बरेली (निप्र)। विवाहिता के साथ घर में घुसकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।बरेली थाना अंतर्गत ग्राम छबारा में 18 नवंबर की रात आरोपी विवाहिता के घर में घुस गया था। उस वक्त विवाहित घर में अकेली थी, जिसका फायदा उठाते हुए आरोपी ने महिला के साथ दुष्कर्म किया था। जिसके बाद पीड़िता ने 19 नवंबर को थाना बरेली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।इसके बाद पुलिस ने ग्राम छबारा निवासी आरोपी जगदीश धाकड़ (50) के खिलाफ धारा 450, 376 के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपी को अदालत में पेश किया।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी कार्य एक दिसम्बर से शुरू

विदिशा (निप्र)। समर्थन मूल्य पर जिले के दो उपार्जन केन्द्रों पर धान खरीदी कार्य एक दिसम्बर से शुरू होकर 24 जनवरी 2024 तक जारी रहेगा। कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव ने जिले में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन का कार्य सुव्यवस्थित निर्विघ्न रूप से संपन्न हो इसके लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। गौरतलब हो कि विदिशा जिले में एक दिसंबर से धान उपार्जन का कार्य प्रारंभ हो रहा है। जिले के दो उपार्जन केंद्रों पर खरीदी कार्य 19 जनवरी 2024 तक किया जाएगा। धान उपार्जन हेतु पंजीकृत किसानो के द्वारा विक्रय हेतु स्लाट बुकिंग का कार्य शुक्रवार 24 नवंबर 2023 से प्रारंभ होगा। कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव ने बताया कि अच्छी औसत गुणवत्ता (एफएक्यू) के धान का समर्थन मूल्य 2183 रूपए प्रति क्विंटल घोषित किया गया है। विदिशा जिले में धान का समर्थन मूल्य पर क्रय करने हेतु नोडल एजेन्सी विपणन सहकारी संस्था मर्यादित के द्वारा किया जाएगा। विदिशा जिले कीं दो तहसीलो में एक-एक उपार्जन केन्द्र संचालित किया जाएगा जिसमें विदिशा तहसील में स्टेट वेयर हाउसिंग एण्ड लॉजिस्टिक्स कार्पोरेशन गोदाम मेला परिसर में तथा शमशाबाद तहसील में कृष्णा न्यूट्रीमेंटस 16, महानीम चौराहा शमशाबाद में उपार्जन किया जाएगा। धान उपार्जन कार्य सप्ताह के पांच दिन प्रातः आठ बजे से सायं आठ बजे तक किया जाएगा। तौल पर्ची सांय छह बजे तक जारी की जाएगी। सप्ताह के शेष दो दिन शनिवार एवं रविवार को शेष स्कंध का परिवहन, भण्डारण व लेखा का मिलान तथा अस्वीकृत स्कंध का अपग्रेडेशन, वापसी का निराकरण किया जाएगा। गोदाम स्तर पर गुणवत्ता परीक्षण में पाए जाने वाले नॉन एफएक्यू स्कंध का भण्डारण उपार्जन समिति द्वारा गोदाम, केप पर नही किया जाएगा। विशेष परिस्थितियों में पांच दिवस से अधिक गोदाम, केप पर भण्डारण नहीं किया जाएगा। एफएक्यू के अनुरूप उपार्जन का दायित्व संबंधित उपार्जन केन्द्र चलाने वाली संस्था का होगा। कृषको को स्लॉट बुकिंग के माध्यम से नियत उपार्जन केन्द्र, तिथि या दिनांक को ही यथा संभव उपज लाकर तौल कराने की कार्यवाही की जाएगी ताकि केन्द्रो पर अप्रिय स्थिति निर्मित ना हो।

मतगणना स्थल पर चल रहीं तैयारियों का जायजा

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री उमाशंकर भार्गव ने निर्वाचन आयोग के द्वारा जारी दिशा निर्देशो के अनुरूप आज पुनः स्ट्रांगरूम का निरीक्षण किया साथ ही मतगणना स्थल पर किए जा रहे प्रबंधो का भी जायजा लिया है। गौरतलब हो कि विदिशा जिले की पांचो विधानसभाओं के लिए शासकीय आदर्श महाविद्यालय जाफरखेडी में स्ट्रांगरूम में बनाया गया है इसी महाविद्यालय के कक्षो में मतगणना कार्य तीन दिसम्बर को होगा। मतगणना के परिपेक्ष्य में निर्वाचन आयोग द्वारा जारी गाइड लाइन के अनुसार किए जा रहे प्रबंधो का कलेक्टर द्वारा शुक्रवार को पुनः जायजा लिया गया है इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, विदिशा एसडीएम (आरो) क्षितिज शर्मा भी साथ मौजूद रहें। कलेक्टर श्री भार्गव ने मतगणना परिसर के प्रमुख द्वार के समीप बनाए जा रहे मीडिया सेन्टर के लिए किए जाने वाले प्रबंधो के संबंध में भी आवश्यक दिशा निर्देश संबंधितों को दिए है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा मीडिया सेन्टर के संबंध में

जारी निर्देशो का अक्षरशः पालन सुनिश्चित कराया जाएगा। कलेक्टर श्री भार्गव ने मीडिया सेन्टर में दो कडी साइज की बडी एलईडी के साथ नेट कनेक्शन की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु संबंधितो को ताकिद किया है। कलेक्टर श्री भार्गव ने मीडिया सेन्टर में बैठक व्यवस्था के संबंध में आवश्यक कुर्सियां, सौफा टेबिल तथा मीडियाकर्मियों के द्वारा उपयोग किए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिकी संसाधनो के लिए चार्जिंग पाइंट बनाए जाने के भी निर्देश दिए है। इस अवसर पर लोक निर्माण विभाग के एसडीओ रवि प्रकाश चिड़ार के अलावा अन्य विभागो के अधिकारी मौजूद रहें।

मोबाइल व व्यसन सामग्रियां प्रतिबंधित

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव ने बताया कि विदिशा जिले की पांचो विधानसभाओं की मतगणना कार्य स्थल पर मोबाइल व व्यसन सामग्री जैसे बीडी, सिगरेट, तम्बाकू सहित अन्य ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। कलेक्टर श्री भार्गव ने मतगणना स्थल शासकीय आदर्श महाविद्यालय जाफरखेडी के परिसर में मोबाइल व व्यसन सामग्री लेकर नहीं लाने की अपील संबंधितों से की है।

भारतीय डाक विभाग की दुर्घटना पॉलिसी में 10 लाख तक का क्लेम

सीहोर (निप्र)। भारतीय डाक विभाग की इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक में 396 रुपये सालाना की कीमत पर दुर्घटना पॉलिसी जारी की है। इस बीमा पॉलिसी में दुर्घटना मृत्यु स्थाई विकलांगता, आंशिक विकलांगता होने अथवा घटना में अंग-भंग होने या लकवा होने की स्थिति में दस लाख रुपए तक का क्लेम प्रदान किया जायेगा। दुर्घटना का शिकार होने पर अस्पताल में भर्ती बीमाधारक को आईपीडी इलाज के खर्च के लिए 60 हजार रुपये और मरहम पट्टी की जाने अथवा ओपीडी में इलाज की स्थिति में 30 हजार रुपये की राशि मुहैया कराई जाएगी। अस्पताल में भर्ती होने की स्थिति में 60 हजार रुपये के अतिरिक्त 10 दिनों तक एक हजार रुपए भी प्रतिदिन दिए जाएंगे। बीमाधारक का परिवार अन्य शहर में रहता है तो उसके आने के लिए अधिकतम 25 हजार रुपए तक का टिकट खर्चा भी दिया जायेगा और दुर्भाग्य से बीमा धारक की मृत्यु हो जाती है तो पॉलिसी के तहत 5 हजार रुपए अंतिम क्रियाक्रम के लिए दिए जाने का प्रावधान भी रखा गया है। इसके साथ ही बीमा धारक की मृत्यु होने पर बीमा राशि दस लाख रुपये के अतिरिक्त बच्चों की पढाई के लिए एक लाख रुपये अलग से देने का प्लान है। योजना को लेकर भारतीय डाक विभाग द्वारा जगह-जगह डाक घरों में मेगा कैंप का आयोजन किया जायेगा। यह सुविधा किसी भी नज़दीकी डाक घर में पोस्टमैन द्वारा ली जा सकती है। ऐसे में आमजन अधिक से अधिक संख्या में अपने नजदीकी डाकघर में संपर्क कर बीमा करवायें।

मतगणना स्थल के लिये धारा 144 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

हरदा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री ऋषि गर्ग ने 3 दिसम्बर को मतगणना के दौरान जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत मतगणना स्थल शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज हरदा एवं उसके 200 मीटर तक के क्षेत्र के लिये प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये है। जारी आदेश अनुसार मतगणना स्थल पर किसी भी प्रकार की नारेबाजी, चीखना-चिल्लाना या अव्यवस्थित तरीके से कार्य करने की अनुमति नहीं होगी। बिना रिटर्निंग अधिकारी की अनुमति के मतगणना स्थल पर मोबाईल फोन, आईपेड, लैपटॉप या अन्य समान या इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जिससे ऑडियो या वीडियों रिकार्ड किया जा सकता है को मतगणना केन्द्र में लाने की अनुमति नहीं रहेगी। केवल निर्वाचन आयोग के प्रेक्षक को मतगणना स्थल पर मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति रहेगी। मीडियाकर्मी सिर्फ मीडिया कक्ष तक ही अपना मोबाईल फोन ला सकेगें। मतगणना हॉल में 3-4 के समूह में जा सकेगें और केवल हैण्ड-हेल्ड कैमरा बिना स्टैण्ड के ले जा सकेगें। जारी आदेश अनुसार मतगणना केन्द्र पर वोटों की गिनती की प्रक्रिया के संबंध में सोशल मीडिया अथवा किसी अन्य संचार माध्यम से मतगणना से संबंधित किसी प्रकार की भ्रामक जानकारियां प्रसारित करने पर रोक रहेगी। वोटों की गिनती शुरू होने से पहले, रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम (आर.पी. एक्ट) 1951 की धारा 128 और नियम 54 तथा चुनाव संचालन नियम 1961 के प्रावधानों का वाचन किया जावेगा, जिसका मतगणना कक्ष में उपस्थित अभ्यर्थियों, उनके मतगणना अभिकर्तागणों एवं उपस्थित समस्त व्यक्तियों द्वारा अक्षरशः पालन करना होगा तथा गोपनीयता बनाए रखने में सहायता करना होगा। मतगणना हॉल के अंदर प्रत्येक व्यक्ति को वोट की गोपनीयता बनाए रखने में सहायता करना आवश्यक होगा। मतगणना स्थल से 200 मीटर परिधि में बिना सक्षम अनुमति के कोई भी व्यक्ति अनाधिकृत रूप से प्रवेश नहीं कर सकेगा। मतगणना स्थल पर सिर्फ अधिकृत व्यक्ति ही प्रवेश कर सकेंगे। मतगणना स्थल से 200 मीटर परिधि में अधिकृत वाहनों को छोडकर अन्य समस्त वाहनों का आवागमन पूर्णतः प्रतिबंधित होगा। मतगणना के दौरान रिटर्निंग अधिकारी के निर्देशों का पूरा अनुपालन करना एवं सहयोग करना आवश्यक होगा। इस संबंध में कानून के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति पर दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी। मतगणना एजेंट एवं अन्य व्यक्तियों को मतगणना प्रक्रिया के दौरान मतगणना केन्द्र से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी, उन्हें आमतौर पर परिणाम की घोषणा के बाद ही बाहर जाने की अनुमति दी जावेगी। जारी आदेश अनुसार मतगणना कर्मचारी परिणाम घोषित होने के उपरांत ही रिटर्निंग अधिकारी की अनुमति से मतगणना हॉल छोड सकेगें। रिटर्निंग अधिकारी द्वारा निर्धारित स्थानों पर ही अभ्यर्थी, उनके मतगणना अभिकर्ता उपस्थित रहेगें। मतगणना एजेंट को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी हेण्डबुक में उल्लेखित सभी बिन्दुओं का अक्षरशः पालन करना होगा। अभ्यर्थियों य उनके एजेंट के साथ आने वाले किसी भी सुरक्षाकर्मी को मतगणना हॉल में प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी। मतगणना हॉल में उपस्थित सभी अभ्यर्थियों एवं उनके मतगणना अभिकर्ताओं, मीडियाकर्मियों तथा अन्य को निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा। आदेश का उल्लंघन करने पर उल्लघनकर्ताओं के विरूद्ध धारा 188 भारतीय दण्ड संहिता एवं निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अन्य सुसंगत प्रावधानों अंतर्गत कार्यवाही की जावेगी। यह आदेश 3 दिसम्बर को मतगणना समाप्त होने तक प्रभावशील रहेगा।

नारेबाजी नहीं कर सकेंगे, मोबाइल फोन, लेपटॉप व रिकॉर्डिंग के उपकरण नहीं ले जा सकेंगे

मतदान की गोपनीयता भंग करने वालो के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री उमाशंकर भार्गव ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशो के अनुसार कोई भी मतदाता मतदान की गोपनीयता को भंग नहीं करेगा, यदि कहीं कोई इस प्रकार का कृत्य करते पाए जाने पर उनके खिलाफ दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर श्री भार्गव ने बताया कि सिरोंज विधानसभा क्षेत्र के 17 नागरिकों द्वारा सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मो पर मतदान की गोपनीयता को भंग करने के चित्र व वीडियो अपलोड किए गए है जिसे सिरोंज विधानसभा क्षेत्र के एसडीएम व रिटर्निंग आफीसर श्री हर्षल चौधरी ने संज्ञान में लेते हुए संबंधितों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की कार्यवाही संपादित कराई है। सिरोंज एसडीएम श्री हर्षल चौधरी के द्वारा उपलब्ध कराई गई एफआईआर दस्तावेंज की प्रति में जिन 17 नागरिकों के खिलाफ संयुक्त रूप से एफआईआर कराई गई है उनमें हाजी इरशाद गौरी, बृजेश विश्वकर्मा, हर्षित गोपाल शर्मा, नीरज शर्मा, कृष्णपाल यादव, अख्तर खॉन, आकाश जैन, गौरव शर्मा, रोहित साहू, अंकित सुमन, सोनू मालवीय, शिवा यादव, संजू महाराज, चन्द्रेश सैनी, राजेश यादव, महेन्द्र बघेल और राकेश शर्मा शामिल है।

ट्रैक्टर ने बाइक सवारों को रौंदा:एक की मौत,दो गंभीर घायल

पिपरिया (निप्र)। शनिवार देर शाम देर शाम बनखेड़ी-पिपरिया रोड पर सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल के सामने तेज रफ्तार ट्रैक्टर चालक बाइक सवारों को रौंद कर मौके से फरार हो गया। दुर्घटना में घटना स्थल पर एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं बाइक सवार युवक-युवती गंभीर घायल हो गए। घायलों को तुरंत 108 की मदद से शासकीय अस्पताल लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। बाइक सवार पिपरिया से बनखेड़ी के गांव गरधा जा रहे थे। स्कूल के पास बाइक सवार को सामने से आ रहे ट्रैक्टर चालक ने टक्कर मार दी। पिपरिया अस्पताल के डॉक्टर प्रखर ने बताया कि गरधा निवासी भूरालाल पिता हल्के वीर अहिरवार (65) की अस्पताल पहुंचने से पहले मौत हो गई। वहीं अनिकेत पिता भूरेलाल (23) और रुक्मणि पिता तीरथ राज (27) निवासी नरसिंहपुर गंभीर रूप से घायल है। दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। युवती की स्थिति नॉर्मल है, युवक के हाथ और सिर में गंभीर चोट आई है। पुलिस के अनुसार ट्रैक्टर चालक घटना के बाद ट्रैक्टर लेकर फरार हो गया है। जिसकी तलाश की जा रही है। सीसी टीवी फुटेज देखे जा रहे है, अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। हादसे में मृत व्यक्ति का पीएम आज कराया जाएगा।

बनखेड़ी-पिपरिया रोड पर स्कूल के पास हुआ हादसा

कलेक्टर-एसपी ने मतगणनास्थल व स्ट्रांग रुम का निरीक्षण किया:मतगणना की तैयारियों का लिया जायजा

नर्मदापुरम (निप्र)। विधानसभा चुनाव की 3 दिसंबर को आईटीआई परिसर में होने वाली मतगणना की तैयारियों का शनिवार को नर्मदापुरम कलेक्टर नीरज कुमार सिंह व एसपी डॉक्टर गुरकरन सिंह ने जायजा लिया। कलेक्टर-एसपी सुबह 11 बजे ईवीएम स्ट्रांग रुम व मतणनास्थल पहुंचे। मतगणना के लिए की जा रही तैयारियों का अवलोकन किया। मतगणना स्थल पर मतगणना कर्मचारियों,मतगणना अभिकर्ता एवं अभ्यर्थियों के प्रवेश,वाहन पार्किंग व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। विधानसभावार बनाए गए मतगणना कक्षों में जाकर तैयारियों को देखा। साथ ही डाक मतपत्रों की गणना के लिए की जा रही तैयारियों को भी देखा। मतगणना टेबिल, मतगणना कार्य में संलग्न अमले की संख्या, सुरक्षा व्यवस्था, डाक मतपत्रों की संख्या आदि के बारे में जानकारी ली। मतगणना स्थल परिसर में रूके हुए निर्वाचन अभ्यर्थियों के प्रतिनिधियों से चर्चा की तथा सीसीटीवी के माध्यम से कक्ष से ही स्ट्रांग रूम की मॉनीटरिंग संबंधी व्यवस्था को देखा।कलेक्टर सिंह ने निर्देश दिए कि विधानसभा निर्वाचन की मतगणना 3 दिसम्बर को सुबह 8 बजे से पोस्टल बैलेट की गिनती के साथ शुरू होगी। सुबह 8:30 बजे से ईवीएम में दर्ज मतों की गणना प्रारंभ होगी। मतगणना के दिन बिजली की सतत आपूर्ति हो और किसी भी वजह से मतगणना कार्य प्रभावित न हो इसके करने के निर्देश दिए। मतगणना स्थल पर सभी व्यवस्थाएं सुचारू तरीके से उपलब्ध रहें। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ एसएस रावत, अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी देवेंद्र कुमार सिंह, एडिशनल एसपी आशुतोष मिश्रा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

28 ट्रेनों के रास्ते बदले, 58 ट्रेनें निरस्त, मथुरा होकर जाने वाली इंदौर की 6 ट्रेनें नहीं चलेंगी

मथुरा रेलवे स्टेशन पर प्रस्तावित ब्लॉक के कारण कई ट्रेनों के संचालन पर असर

इंदौर। उत्तर मध्य रेलवे के आगरा मंडल के मथुरा (जंक्शन) रेलवे स्टेशन के पलवल-मथुरा खंड में यार्ड रिमॉडलिंग के लिए प्रस्तावित ब्लॉक के कारण रतलाम मंडल से चलने वाली और रतलाम मंडल से होकर गुजरने वाली कई ट्रेनें प्रभावित होंगी। इनमें 28 ट्रेनें परिवर्तित मार्ग से चलेगी तथा 58 ट्रेनें निरस्त की गई हैं। इनमें इंदौर से चलने वाली और इंदौर पहुंचने वाली 6 ट्रेनें भी शामिल हैं। यह जानकारी रेलवे की विज्ञप्ति में दी गई।

निरस्त और बदले मार्गों से चलने वाली ट्रेनों की विस्तृत जानकारी इस प्रकार है –

इन ट्रेनों के मार्ग बदले गए

1. 29 नवंबर को लक्ष्मीबाई नगर से चलने वाली गाड़ी संख्या 14309 लक्ष्?मीबाई नगर-देहरादून एक्सप्रेस वाया आगरा कैंट, मितावली, खुर्जा, मेरठ सिटी चलेगी।
2. 28 नवंबर को देहरादून से चलने वाली गाड़ी संख्या 14310 देहरादून-लक्ष्?मीबाई नगर एक्सप्रेस वाया मेरठ सिटी-खुर्जा-मितावली और आगरा कैंट चलेगी।
3. 29 नवंबर को एकता नगर से चलने वाली गाड़ी संख्या 20945 एकता नगर निजामुद्दीन एक्सप्रेस वाया बयाना-आगरा फोर्ट-मितावली-गाजियाबाद और निजामुद्दीन चलेगी।
4. 28 नवंबर को निजामुद्दीन से चलने वाली गाड़ी संख्या 20946 निजामुद्दीन एकता नगर एक्सप्रेस निजामुद्दीन-गाजियाबाद-मितावली-आगरा फोर्ट-बयाना चलेगी।
5. 27 नवंबर को मुंबई सेंट्रल से चलने वाली गाड़ी संख्या 22209 मुंबई सेंट्रल नई दिल्ली एक्सप्रेस वाया बयाना-आगरा फोर्ट-मितावली- गाजियाबाद-नई दिल्ली चलेगी।
6. 28 नवंबर को नई दिल्ली से चलने वाली गाड़ी संख्या 22210 नई दिल्?ली मुंबई सेंट्रल एक्सप्रेस वाया नई दिल्ली-गाजियाबाद-मितावली-आगरा फोर्ट-बयाना चलेगी।
7. 29 दिसंबर को कोचिचुवेली से चलने वाली गाड़ी संख्या 22659 कोचिचुवेली योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस वाया बयाना-आगरा फोर्ट-मितावली-खुर्द-मेरठ सिटी चलेगी।
8. 27 नवंबर एवं 1 जनवरी को योग नगरी ऋषिकेश से चलने वाली गाड़ी संख्या योग नगरी ऋषिकेश-कोच्?चुवेली एक्सप्रेस वाया मेरठ सिटी-खुर्जा-मितावली-आगरा फोर्ट-बयाना चलेगी।
9. 8, 13, 15, 20, 22, 27 एवं 29 जनवरी एवं 3 फरवरी को कोच्?चुवेली से चलने वाली गाड़ी संख्या 12217 कोच्?चुवेली चंडीगढ़ एक्सप्रेस वाया सवाई माधोपुर- जयपुर-अलवर-रेवाड़ी चलेगी।
10. 27 दिसंबर 3, 10, 12,17,19, 24, 26, 31 जनवरी 2024 एवं 2 फरवरी 2024 को चंडीगढ़ से चलने वाली गाड़ी संख्या 12218 चंडीगढ़-कोच्?चुवेली एक्सप्रेस वाया रेवाड़ी-अलवर-जयपुर-सवाई माधोपुर चलेगी ।
11. 25 जनवरी, 2024 से 4 फरवरी 2024 तक मुंबई सेंट्रल से चलने वाली गाड़ी संख्या 12903 मुंबई सेंट्रल अमृतसर एक्सप्रेस वाया सवाई माधोपुर- जयपुर-अलवर-रेवाड़ी चलेगी।
12. 25 जनवरी से 4 फरवरी 2024 तक अमृतसर से चलने वाली गाड़ी संख्या 12904 अमृतसर-मुंबई सेंट्रल एक्सप्रेस वाया रेवाड़ी-अलवर-जयपुर-सवाई माधोपुर चलेगी।
13. 10, 14, 17, 21, 24, 28, 31 जनवरी 2024 एवं 4 फरवरी 2024 को बांद्रा टर्मिनस से चलने वाली गाड़ी संख्या 12907 बांद्रा टर्मिनस निजामुद्दीन एक्सप्रेस वाया सवाई माधोपुर- जयपुर-अलवर-रेवाड़ी चलेगी।
14. 11, 15, 18, 22, 25, 29 जनवरी, 2024 एवं 01, 05 फरवरी, 2024 को निजामुद्दीन से चलने वाली गाड़ी संख्या 12908 निजामुद्दीन बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस वाया रेवाड़ी-अलवर-जयपुर-सवाई माधोपुर चलेगी।
15. 09, 11, 13, 16, 18, 20, 23, 25, 27 जनवरी, 2024 एवं 01, 03 फरवरी, 2024 को बांद्रा टर्मिनस से चलने वाली गाड़ी संख्या 12909 बांद्रा टर्मिनस निजामुद्दीन एक्सप्रेस वाया सवाई माधोपुर- जयपुर-अलवर-रेवाड़ी चलेगी
16. 10, 12, 14, 17, 19, 21, 24, 26, 28, 31, जनवरी, 2024 एवं 02, 04 फरवरी, 2024 को निजामुद्दीन से चलने वाली गाड़ी संख्या 12910 निजामुद्दीन बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस वाया रेवाड़ी-अलवर-जयपुर-सवाई माधोपुर चलेगी।
17. 10 जनवरी 2024 से 4 फरवरी 2024 तक बांद्रा टर्मिनस से चलने वाली गाड़ी संख्या 19037 बांद्रा टर्मिनस-बरौनी एक्सप्रेस वाया आगरा कैंट-भांडई- उदी मोड-इटावा चलेगी। इस ट्रेन का आगरा कैंट स्टेशन पर ठहराव दिया गया है।
18. 11 जनवरी, 2024 से 05 फरवरी, 2024 तक बरौनी से चलने वाली गाड़ी संख्या 19038 बरौनी बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस वाया इटावा-उदी मोड-भांडई-आगरा कैंट चलेगी। इस ट्रेन का आगरा कैंट स्टेशन पर ठहराव दिया गया है।
19. 15, 22 एवं 29 जनवरी, 2024 को वेरावल से चलने वाली गाड़ी संख्या 12945 वेरावल बनारस एक्सप्रेस वाया आगरा कैंट- भांडई- उदी मोड़- इटावा चलेगी। इस ट्रेन का आगरा कैंट स्टेशन पर ठहराव दिया गया है।
20. 17, 24 एवं 31 जनवरी 2024 को बनारस से चलने वाली गाड़ी संख्या 12946 बनारस वेरावल एक्सप्रेस वाया इटावा-उदी मोड़-भांडई-आगरा कैंट चलेगी। इस ट्रेन का आगरा कैंट स्टेशन पर ठहराव दिया गया है।
21. 11, 18, 25 जनवरी, 2024 एवं 1 फरवरी 2024 को आसनसोल से चलने वाली गाड़ी संख्या 12942 आसनसोल भावनगर एक्सप्रेस वाया इटावा-उदी मोड-भांडई-आगरा कैंट चलेगी। इस ट्रेन का आगरा कैंट स्टेशन पर ठहराव दिया गया है।
22. 16, 23 एवं 30 जनवरी, 2024 को भावनगर से चलने वाली गाड़ी संख्या 12941 भावनगर आसनसोल एक्सप्रेस वाया आगरा कैंट- भांडई- उदी मोड- इटावा चलेगी। इस ट्रेन का आगरा कैंट स्टेशन पर ठहराव दिया गया है।
23. 12, 17, 19, 24, 26 जनवरी, 2024 एवं 02 फरवरी, 2024 को पटना से चलने वाली गाड़ी संख्या 12948 पटना-अहमदाबाद एक्सप्रेस वाया इटावा-उदी मोड़-भांडई-आगरा कैंट चलेगी। इस ट्रेन का आगरा कैंट स्टेशन पर ठहराव दिया गया है।
24. 15, 17, 22, 24, 29, 31 जनवरी, 2024 को अहमदाबाद से चलने वाली गाड़ी संख्या 12947 अहमदाबाद-पटना एक्सप्रेस वाया आगरा कैंट- भांडई- उदी मोड- इटावा चलेगी। इस ट्रेन का आगरा कैंट स्टेशन पर ठहराव दिया गया है।
25. 12, 19, 26 जनवरी, 2024 एवं 2 फरवरी 2024 को सूरत से चलने वाली गाड़ी संख्या 19053 सूरत-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस वाया ग्वालियर-भिंड-इटावा चलेगी।
26. 14, 21, 28 जनवरी 2024 को मुजफ्फरपुर से चलने वाली गाड़ी संख्या 19054 मुजफ्फरपुर सूरत एक्सप्रेस वाया ग्वालियर-भिंड इटावा चलेगी।
27. 11, 18, 25 जनवरी, 2024 एवं 01 फरवरी, 2024 को गोरखपुर से चलने वाली गाड़ी संख्या 15045 गोरखपुर-ओखा एक्सप्रेस वाया इटावा-भिंड-ग्वालियर चलेगी।
28. 14, 21, 28 जनवरी, 2024 एवं 04 फरवरी, 2024 को ओखा से चलने वाली गाड़ी संख्या 15046 ओखा गोरखपुर एक्सप्रेस वाया ग्वालियर-भिंड-इटावा चलेगी।

मौसम का पहला मावठा, इंदौर समेत संभाग के कई इलाकों में चमक के साथ बारिश हुई

दोपहर में इतने घने बादल छाए कि अंधेरे का अहसास होने लगा, बादल गरजे

इंदौर। रविवार सुबह से बादल छाए रहने और ठंड बढ़ने का अहसास होने के बाद दोपहर करीब साढ़े 3 बजे इंदौर में बारिश आई। पहले शहर के पश्चिमी इलाके महू नाका और अन्नपूर्णा में बारिश शुरू हुई, बाद में पूर्वी इलाके बंगाली चौराहा और रोबोट चौराहा क्षेत्र में बूंदाबांदी शुरू हुई। इसे इस मौसम का पहला मावठा माना जा रहा है।

अलग-अलग स्थानों पर बनी तीन मौसम प्रणालियों के असर से प्रदेश के दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र में मौसम का मिजाज बदलने लगा है। मौसम के जानकारों के मुताबिक कहीं-कहीं जबरदस्त ओलावृष्टि भी हो सकती है। इंदौर-उज्जैन संभाग के कई इलाकों में अगले चार दिन गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। रविवार दोपहर डेढ़ बजे के बाद संभाग के झाबुआ, मंदसौर, आलीराजपुर, और धार जिले के मनावर और बदनावर में जोरदार बारिश हुई। बड़वानी के सेंधवा में भी तेज हवा के साथ पानी गिरा। माना जा रहा है कि चार दिन मौसम ऐसा ही रहेगा और कुछ जगह ओले गिर सकते हैं।

वर्तमान में कच्छ के आसपास हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना है। इस चक्रवात से राजस्थान तक शक्तिशाली द्रोणिका भी बनी है। इस द्रोणिका के साथ ही विपरीत दिशा की हवाओं (पूर्वी-पश्चिमी) का संयोजन भी हो रहा है। इसके अतिरिक्त उत्तर-पूर्वी मप्र पर भी हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बन गया। इसके प्रभाव से इंदौर-उज्जैन संभाग के जिलों में कहीं-कहीं भारी वर्षा हो सकती है। साथ ही कहीं-कहीं बड़े पैमाने पर ओले भी गिर सकते हैं। सोमवार को नर्मदापुरम एवं जबलपुर संभाग के जिलों में भी वर्षा होगी। मौसम के इस बदलाव से रात के तापमान में गिरावट आने के आसार जताए गए हैं।

चार दिन मौसम ऐसा ही रहेगा – मौसम विभाग ने सप्ताह भर पहले ही मौसम के इस बदलाव का संकेत दिया था। कहा गया था कि 26 से 29 नवंबर तक चार दिन बारिश होगी। विशेषज्ञों ने इंदौर और उज्जैन संभाग के साथ भोपाल-नर्मदापुरम के कुछ जिलों में इस विक्षोभ का सबसे ज्यादा असर होने का अनुमान जताया है। 28-29 नवंबर को यह सिस्टम पूर्वी हिस्से यानी जबलपुर और आसपास के जिलों में बारिश कराएगा। प्रदेश में वेस्टर्न डिस्टरबेंस, ट्रफ लाइन और चक्रवाती हवाओं के घेरे से बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव हो गया। इसका ज्यादा असर पश्चिमी हिस्से में रहेगा।

मौसम का पहला मावठा पूरे प्रदेश में – सीजन का पहला मावठा गिरने का सबसे ज्यादा असर प्रदेश के इंदौर और उज्जैन संभाग में रहेगा। इसके अलावा भोपाल संभाग के दक्षिणी हिस्से के साथ नर्मदापुरम संभाग में भी अधिक प्रभाव दिखाई देगा। यह असर दो दिन रहेगा, इसके बाद सिस्टम पूर्वी हिस्से में शिफ्ट होगा। 29 नवंबर तक प्रदेश भर में बारिश का अनुमान लगाया गया है।

अनुमान लगाया गया था कि रविवार 26 नवंबर को उज्जैन, रतलाम, इंदौर, झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, खरगोन, देवास और धार में तेज बारिश होगी और ये अनुमान सही भी निकला। भोपाल, नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, शाजापुर, राजगढ़, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, बैतूल, सीहोर, राजगढ़, छिंदवाड़ा, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, जबलपुर, रायसेन, विदिशा, गुना, अशोकनगर, श्योपुर, मुरैना, ग्वालियर, शिवपुरी, सागर, दमोह, कटनी, पन्ना, निवाड़ी और टीकमगढ़ में हल्की बारिश का अनुमान था, इनमें से अधिकांश जगह मावठा गिरा। जबकि, छतरपुर, उमरिया, भिंड, दतिया और सिवनी में गरज-चमक की संभावना जताई थी जिसका असर दिखाई भी दिया।

सोमवार 27 नवंबर को इंदौर के साथ भोपाल, धार, अलीराजपुर, बड़वानी, खरगोन, शाजापुर, देवास, सीहोर, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, बैतूल, रायसेन, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, जबलपुर, कटनी, दमोह, पन्ना, उमरिया, मंडला, बालाघाट, अनूपपुर, शहडोल में कहीं-कहीं हल्की बारिश के आसार मौसम विभाग ने जताए हैं। जबकि, सागर में गरज-चमक के साथ छींटे पड़ सकते हैं।

मंगलवार 28 नवंबर को भी इंदौर में बारिश के आसार जताए गए हैं। इसके अलावा भोपाल, खरगोन, देवास, खंडवा, बुरहानपुर, शाजापुर, हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल, रायसेन, विदिशा, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, जबलपुर, दमोह, कटनी, डिंडोरी, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया में हल्की बारिश हो सकती है। जबकि, सागर और पन्ना में गरज-चमक के साथ छींटे पड़ेंगे। बुधवार 29 नवंबर को खरगोन, खंडवा देवास, सागर, बड़वानी, हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, जबलपुर, दमोह, छतरपुर, पन्ना, कटनी, मंडला, सतना, रीवा, सीधी, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर और डिंडोरी में हल्की बारिश होगी। वहीं, बालाघाट, अलीराजपुर, धार, इंदौर, शाजापुर, सीहोर, विदिशा, रायसेन और टीकमगढ़ में गरज-चमक के साथ छींटे पड़ सकते हैं।

राज्यपाल ने इन्फेंट्री रिसर्च सेंटर व संग्रहालय को देखा, समझा

1757 से 2020 तक के इन्फेंट्री कोर के इतिहास को देखा

इंदौर। राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने अपने डॉ अम्बेडकर नगर (महू) के भ्रमण के दौरान इन्फेंट्री रिसर्च सेंटर और संग्रहालय का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने इन्फेंट्री संग्रहालय में सन 1757 से लेकर 2020 तक इन्फेंट्री कोर के इतिहास को देखा और समझा। इस संग्रहालय में इन्फेंट्री की शौर्य गाथा, सैनिकों की वीरता, बहादुरी और बलिदान को प्रदर्शित करती हुई मूर्तियों, भित्ति चित्रों और फोटो गैलरी को संरक्षित किया गया है।

राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने संग्रहालय के प्रत्येक कक्ष में जाकर अवलोकन किया। उन्होंने पूरे धैर्य के साथ इन्फेंट्री के इतिहास को देखा और जाना। इस संग्रहालय में 1757 से 2020 तक इन्फेंट्री कोर के इतिहास को प्रदर्शित किया गया है। जिसमें वीरता और बहादुर सैनिकों के बलिदान को मूर्तियों, भित्ति चित्रों और फोटो दीर्घाओं में संरक्षित किया गया है। प्लासी, सारागढ़ी, बक्सर की लड़ाई और प्रमुख रूप से 1947, 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्धों के इतिहास के साथ-साथ छत्रपति शिवाजी महाराज, मराठा, सिक्खों, गोरखा और सुभाष चंद्र बोस आदि के इतिहास को संरक्षित किया गया है।

प्रथम एवं द्वितीय विश्वयुद्ध के इतिहास को भी प्रदर्शित किया गया है। कारगिल वॉर रूम और फतेह गैलरी में वीरों की कहानियों को तस्वीरों के जरिए दर्शाया जाएगा। देशभर में सेना की विभिन्न रेजिमेंटों के इतिहास को दर्शाया गया है। सैनिकों की मूर्तियों के अलावा, उन्हें जीवंत बनाने के लिए 3डी प्रिंटर से बनाई गई कलाकृति के माध्यम से सेना के जवानों को विभिन्न प्रकार के युद्ध में लगे हुए दिखाया गया है। साथ ही इन्फेंट्री द्वारा प्रयुक्त किये जाने वाले हथियारों और वाहनों का प्रदर्शन भी किया गया है। इसके पश्चात राज्यपाल मंगू भाई पटेल चोरल रिसोर्ट भी पहुंचे। यहां उन्होंने बोटिंग भी की। साथ ही उन्होंने यहां के प्राकृतिक सौंदर्य को भी निहारा।

पुलिस की साइबर अपराधों की कार्यशाला का 200वां पड़ाव

आईआईएम में साइबर अवेयरनेस की कार्यशाला

इंदौर। साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए लोगों में जागरूकता बेहद जरुरी है। इसी उद्देश्य से लगातार कई तरह के कार्यक्रम किए जा रहे हैं। शुक्रवार को एडिशनल डीसीपी (क्राइम)

राजेश दंडोतिया ने पुलिस टीम के साथ भारतीय प्रबंध संस्थान (द्धद्धरू) पहुंचकर स्टूडेंट्स को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया।

साइबर अवेयरनेस के लिए द्धद्धरू इंदौर में आयोजित यह कार्यशाला एडिशनल डीसीपी (क्राइम) की 200वीं कार्यशाला थी। इसमें उन्होंने करीब 300 स्टूडेंट्स को साइबर अपराधों के प्रकार और उनसे बचने के तरीके बताए। उन्होंने पुलिस के पास आने वाले साइबर अपराधों की केस स्टडी के माध्यम से विभिन्न प्रकार के ऑनलाइन फ्रॉड, फाइनेंशियल फ्रॉड तथा सोशल मीडिया आदि द्वारा किए जाने वाले क्राइम के बारे में विस्तृत रूप से बताया।

ऐसे अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक करने के अभियान के तहत इंदौर पुलिस द्वारा लगातार स्कूल/कॉलेज, संस्थानों, औधोगिक इकाइयों, कॉलोनियों, में बच्चों और बुजुर्गों तक को जागरूक कर रही है।

साइबर अवेयरनेस के इस महाअभियान में एडीशनल डीसीपी जागरूकता की अलग ही अलख जगा रहे हैं। ग्वालियर पदस्थापना के दौरान भी उन्होंने 135 कार्यशालाएं ली थी। इंदौर पुलिस के साथ भी उनका ये सिलसिला लगातार जारी है। उनकी ये 200 वीं कार्यशाला थी, जिसमें उन्होंने साइबर वर्ल्ड के विभिन्न अपराधों के साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का दुरुपयोग करके भी किसी प्रकार के अपराध किये जा सकते हैं और उनसे किस प्रकार बचा जाए आदि के संबंध में भी सभी को जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि आप तो विभिन्न क्षेत्रों में प्रबंधन करने वाले देश के भविष्य हो तो आपको इस दिन प्रतिदिन बदलने वाली तकनीकी दुनिया और डिजिटल लाइफ को सुरक्षित रखने के लिए ज्यादा सतर्क व जागरूक रहना रहना जरूरी है। तभी आप स्वयं और दूसरों को भी इन खतरों से बचा पाएंगे। इस अवसर पर संस्थान के स्टूडेंट्स, फैकल्टी, एडमिनिस्ट्रेशन व सिक्योरिटी स्टाफ भी उपस्थित रहा। उन्होंने भी साइबर सुरक्षा की बारीकियों को समझा और पुलिस के इस जागरूकता अभियान की प्रशंसा की।

9 में से 4 विधानसभा सीटों पर मुस्लिम वोटर हार-जीत के फैसले में असरदार

साढ़े 3 लाख वोटों के साथ 4 सीटों पर हार-जीत यही वोटर तय करेंगे

इंदौर। मतदान के बाद अब संभावित नतीजों का हिसाब-किताब शुरू हो गया। इंदौर की 9 विधानसभा सीटों का जातीय समीकरण के नजरिए से भी अंदाजा लगाया जाने लगा है। सबसे ज्यादा गणित अल्पसंख्यक वोटों का लगाया जा रहा है। कांग्रेस को अपनी जीत में सबसे ज्यादा भरोसा अल्पसंख्यक वोटरों का है। इंदौर में करीब साढ़े 3 लाख वोट अल्पसंख्यकों के हैं जो चार सीटों को सीधा प्रभावित करते हैं। मतदान के दिन भी कांग्रेस ने सबसे ज्यादा ध्यान अल्पसंख्यक वोटों का ही रखा। कांग्रेस की तैयारी थी कि उनके इलाकों में ज्यादा से ज्यादा वोटिंग हो। क्योंकि, अल्पसंख्यकों की सबसे ज्यादा आबादी इंदौर की विधानसभा-5 में है। इसके अलावा इंदौर-1, इंदौर-3 और राऊ में भी हार-जीत का फैसला अल्पसंख्यक वोट ही करते हैं। अभी इनमें 2 भाजपा और 2 कांग्रेस के पास है।

इंदौर-1 और राऊ कांग्रेस के पास है और इंदौर-3 और इंदौर-5 भाजपा के पास। यही कारण है कि दोनों पार्टियों के नेता वोटों का संतुलन अपने पक्ष में करने में जुटे हैं। अल्पसंख्यक मतदाताओं में भाजपा ने अलग रणनीति पर काम किया। यहां भाजपा की कोशिश रही कि मुस्लिम महिलाओं के वोट लाडली बहना के नाम पर अपने पक्ष में किए जाएं! लेकिन, नए मतदाताओं का नजरिया क्या होता है, इस बात का आकलन कोई नहीं कर पा रहा।

अल्पसंख्यक वोटों का असर

इंदौर-1ः यहां के 3,63,648 मतदाताओं में से 20त्न अल्पसंख्यक वोटर हैं। यहां के वार्ड क्रमांक-2 और 8 अल्पसंख्यक बहुल वाले हैं। वार्ड-1 और 3 में भी इन वोटरों की संख्या ज्यादा है। चार में से 3 वार्ड शहर के सीमावर्ती इलाके हैं। इस सीट से संजय शुक्ला कांग्रेस से विधायक हैं। वे 2018 का चुनाव 8163 वोट से जीते थे। इस बार संजय शुक्ला के सामने भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय हैं।

इंदौर-3ः यहां के 1,87,161 मतदाताओं में से 30त्न अल्पसंख्यक हैं। वार्ड-58 और 60 में अल्पसंख्यकों की संख्या ज्यादा है। वार्ड 56, 59 और 61 में भी अल्पसंख्यक आबादी फैसले की स्थिति में है। इस सीट से 2018 में भाजपा के आकाश विजयवर्गीय पिछला चुनाव जीते थे। इस बार यहां भाजपा के राकेश (गोलू) शुक्ला और कांग्रेस के दीपक (पिंटू) जोशी उम्मीदवार हैं। 2018 में अल्पसंख्यक इलाकों में कम मतदान हुआ था और भाजपा 5751 वोटों से जीती थी। नगर निगम चुनाव में अल्पसंख्यक क्षेत्रों में वोटिंग बढ़ने से भाजपा की जीत का अंतर घटकर 3 हजार हो गया था।

इंदौर-5ः यहां के 4,12,048 मतदाताओं में से 37त्न (1.30 लाख) अल्पसंख्यक मतदाता हैं। वार्ड 38, 39 और 53 अल्पसंख्यक आबादी बहुल वार्ड हैं। वार्ड 40, 43, 50 और 52 में भी अल्पसंख्यक मतदाता हैं। पिछले चुनाव में भाजपा के महेंद्र हार्डिया को 1133 वोटों की जीत मिली थी। नगर निगम चुनाव में भाजपा यहां 5 हजार वोटों से हारी थी। वार्ड 38 और वार्ड 39 में भाजपा को लगभग 25 हजार वोटों से पराजय मिली थी।

संपादकीय

नए सिरे से रणनीति बनाने की जरूरत...

तमाम दावों, चौकसी और कड़ाई के बावजूद जम्मू-कश्मीर में आतंकी संगठनों पर शिकंजा कसना कठिन बना हुआ है। शायद ही कोई महीना गुजरता है, जब आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच संघर्ष नहीं होता। राजौरी में दहशतगर्दों से मुठभेड़ में दो अधिकारियों समेत पांच सुरक्षाबलों के मारे जाने और एक के गंभीर रूप से घायल हो जाने की घटना उसी की एक कड़ी है।

सेना तलाशी अभियान में जुटी थी, तभी आतंकियों ने घात लगा कर हमला कर दिया। करीब हफ्ता भर पहले सुरक्षाबलों ने राजौरी इलाके में ही छह आतंकवादियों को मुठभेड़ में मार गिराया था। पिछले डेढ़-दो वर्षों में इस इलाके में आतंकवादी घटनाएं बढ़ी हैं। इसी तरह की घटना दो महीने पहले भी हुई थी, जिसमें सेना और कश्मीर पुलिस के तीन अफसर तथा दो जवान शहीद हो गए थे।दहशतगर्दों के घात लगा कर हमले करने की छिटपुट घटनाएं तो होती ही रहती हैं। ऐसे सैन्य अभियानों पर हमले और उनमें जवानों तथा अफसरों के मारे जाने की घटनाएं नए सवाल खड़े करती हैं। जिस तरह आतंकी अत्याधुनिक हथियारों और सूचना तकनीक का इस्तेमाल करने लगे हैं, वे लगातार सुरक्षाबलों की गतिविधियों पर नजर बनाए रखते हैं, उसमें उनसे पुराने तरीकों से निपटना निस्संदेह चुनौतीपूर्ण होगा।

कश्मीर घाटी से आतंकवाद खत्म करने के इरादे से पिछले नौ सालों से सघन तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं। आतंकी संगठनों को वित्तीय मदद पहुंचाने वालों की पहचान कर जेलों में डाल देने के दावे किए जाते हैं। पाकिस्तान के साथ सड़क मार्ग से होने वाली तिजारत पर रोक लगने से माना जा रहा था कि सीमा पार से उन तक

पहुंचने वाले हथियारों पर रोक लग गई है।

अत्याधुनिक निगरानी प्रणाली और सतत चौकसी के कारण घुसपैठ का सिलसिला काफी कम हो गया है। अलगाववादी संगठनों के बैंक खातों और उनके वित्तीय लेन-देन पर कड़ी नजर रखी जा रही है। नोटबंदी के बाद दावा किया गया था कि इससे दहशतगर्दों की कमर टूट जाएगी। मगर ये तामम दावे तब खोखले साबित हो जाते हैं, जब आतंकवादी अपनी साजिशों को अंजाम देने में कामयाब हो जाते हैं। आए दिन मुठभेड़ में आतंकियों के मारे जाने के समाचार होते हैं, फिर भी उनकी सक्रियता में कहीं से अपेक्षित कमी नजर नहीं आ रही। वे अपनी रणनीति बदल कर कभी लक्षित हिंसा पर उतर आते हैं, तो कभी घात लगा कर सुरक्षाबलों के काफिले या उनकी छावनियों पर हमला कर देते हैं। कश्मीर घाटी में दहशतगर्दी को उकसाने के पीछे पाकिस्तान की कोशिशें छिपी नहीं हैं। मगर घाटी में उन्हें कौन पोस रहा है और क्यों उनकी गतिविधियों पर लगाम लगाना चुनौती बना हुआ है, इसका आकलन कर उसके अनुरूप कदम न उठाए जा सकने को लेकर सवाल उठने स्वाभाविक हैं। स्पष्ट है कि बिना स्थानीय समर्थन के आतंकवादियों का घाटी में लंबे समय तक टिके रह पाना संभव नहीं है। अब तो यह भी स्पष्ट है कि आतंकी और अलगाववादी संगठनों के उकसावे पर बड़ी संख्या में कश्मीरी युवा हथियार उठाने लगे हैं। शैक्षणिक संस्थानों और दूसरे सरकारी महकमों में भी ऐसे लोगों की मौजूदगी लगातार पहचानी जा रही है, जो युवाओं को बरगलाने की कोशिश करते हैं। इन तथ्यों के मद्देनजर आतंकवाद से निपटने के लिए नए सिरे से रणनीति बनाने की जरूरत है। दहशतगर्दों का मनोबल तभी टूटेगा या कमजोर पड़ेगा, जब उन्हें स्थानीय लोगों का समर्थन मिलना बंद होगा। इसके लिए स्थानीय लोगों का भरोसा जीतना जरूरी है।

सोशल मीडिया से...

तेजस पर सफलतापूर्वक उड़ान भरी। अनुभव अविश्वसनीय रूप से समृद्ध था, जिससे हमारे देश की स्वदेशी क्षमताओं में मेरा विश्वास काफी बढ़ गया है और मुझे एक नई ऊर्जा मिली है। मुझे राष्ट्रीय क्षमता के बारे में गर्व और आशावाद दिखता है।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

केसीआर और उनके सभी भारत राष्ट समिति में परिवार के सदस्य भ्रष्ट हैं, और अधिकांश पैसा कमाने वाले मंत्रालय केसीआर के परिवार के हाथों में हैं। सबसे ज्यादा पैसा कमाने वाले मंत्रालय केसीआर के परिवार के हाथों में हैं।

राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

अगर फिर से उनकी सरकार आती है तो वह हैदराबाद के पास पाहड़ीशरीफ में मुस्लिमों के लिए अलग से आईटी पार्क बनाएंगे। उनकी सरकार ने 10 साल के दौरान अल्पसंख्यकों के विकास के लिए 12000 करोड़ रुपये खर्च किए जबकि कांग्रेस ने अपने 10 साल के शासनकाल में सिर्फ 2000 करोड़ रुपये ही खर्च किए।

के. चंद्रशेखर राव, मुख्यमंत्री तेलंगाना

कांग्रेस राजस्थान में सरकार बनाएगी। आज के बाद, ये (बीजेपी) लोग दिखाई नहीं देंगे, फिर पांच साल बाद ही दिखेंगे।

अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री राजस्थान

आज का कार्टून

वायु प्रदूषण की बढ़ती समस्या चिंताजनक

> पिछले वर्ष नवम्बर के महीने में दिल्ली सरकार ने एक आदेश के तहत बिना वैध प्रदूषण प्रमाण पत्र के चलने वाले वाहनों पर 10,000 का मोटा जुर्माना लगाने के आदेश दिये थे। इनका पालन भी सख्ती से होता हुआ दिखाई दिया। दिल्ली की सड़कों पर परिवहन विभाग व ट्रैफ़िक पुलिस के अधिकारी इसे सख्ती से लागू करते हुए नज़र भी आए। हर साल दिवाली के आस-पास दिल्ली एनसीआर पर एक ज़हरीली हवा की चादर चढ़ जाती है। पर्यावरण विशेषज्ञ, नेता और संबंधित सरकारी विभागों के अफसर हर साल की तरह इस साल भी इस समस्या को लेकर सिर खपा रहे हैं। उन्होंने अब तक के अपने सोच विचार का नतीजा यह बताया है कि खेतों में फसल कटने के बाद जो ठूंठ बचते हैं उन्हें खेत में जलाए जाने के कारण ये धुंआ बना है जो एनसीआर के ऊपर छा गया है। लेकिन सवाल उठता है कि यह तो हर साल ही होता है तो नए जवाबों की तलाश क्यों हो रही है?

रजनीश कपूर

पर्यावरण विशेषज्ञ, नेता और संबंधित सरकारी विभागों के अफसर हर साल की तरह इस साल भी इस समस्या को लेकर सिर खपा रहे हैं। उन्होंने अब तक के अपने सोच विचार का नतीजा यह बताया है कि खेतों में फसल कटने के बाद जो ठूंठ बचते हैं उन्हें खेत में जलाए जाने के कारण ये धुंआ बना है जो एनसीआर के ऊपर छा गया है। लेकिन सवाल उठता है कि यह तो हर साल ही होता है तो नए जवाबों की तलाश क्यों हो रही है? आनन-फ़ानन में हर वर्ष दिल्ली सरकार कड़े कदम उठा कर कई तरह के प्रतिबंध लगा देती है।

दिल्ली में और देश में सभी महानगरों में वायु प्रदूषण की बढ़ती समस्या को हम कई सालों से लगातार सुनते आ रहे हैं। हमें एक से एक बढ कर आई सनसनीखेज वैज्ञानिक रिपोर्टों की बातों को भूलना नहीं चाहिए। हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि दिल्ली से निकलने वाले गंदे कचरे, कूड़ा करकट को ठिकाने लगाने का पुख्ता इंतजाम अभी तक नहीं हो पाया। सरकार यही सोचने में लगी है कि यह पूरा का पूरा कूड़ा कहां फिंकवाया जाए या इस कूड़े का निस्तार यानी ठोस कचरा प्रबंधन कैसे किया जाए?

जाहिर है इस गुत्थी को सुलझाए बगैर जलाए जाने लायक कूड़े को चोरी छुपे जलाने के अलावा और क्या चारा बचता होगा? इस गैर-कानूनी हरकत से उपजे धुंए और जहरीली गैसों की मात्रा कितनी है जिसका कोई हिसाब किसी भी स्तर पर नहीं लगाया जा रहा है। इन सबके चलते आम नागरिकों पर सरकार द्वारा लगाए जा रहे प्रतिबंधों से अलग असुविधा हो रही है। परंतु अभी तक सरकार या उसकी प्रदूषण नियंत्रण करने वाली एजेंसियाँ असल कारण तक नहीं पहुँच पाई है।

जब भी कभी कोई उपभोक्ता एक-एक पाई जोड़ कर अपने सपनों का वाहन ख़रीदता है तो उसे उसकी क़ीमत के साथ-साथ रोड टैक्स, जीएसटी आदि टैक्स भी देने पड़ते हैं। इन सब टैक्सों का मतलब है कि यह सब राशि सरकार की जेब में जाएगी और घूम कर जनता के विकास के लिए इस्तेमाल की जाएगी। परंतु रोड टैक्स के नाम पर ली जाने वाली मोटी रक़म क्या वास्तव में जनता पर ख़र्च होती है? क्या हमें अपनी महँगी गाड़ियों को चलाने के लिए साफ़-सुथरी और बेहतरीन सड़कें मिलती हैं? क्या टूटी-फूटी सड़कों की समय से मरम्मत होती है? क्या देश भर में सड़कों की मरम्मत करने वाली एजेंसियाँ अपना काम पूरी निष्ठा से करतीं हैं? इनमें से अधिकतर सवालों के जवाब आपको 'नहीं' में मिलेंगा।

यहाँ एक सवाल यह भी उठता है कि सरकार द्वारा वाहनों प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित रखने की दृष्टि से कई नियम लागू किए गए हैं। इनमें से अहम है कि दस साल पुराने डीज़ल और पंद्रह वर्ष से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों को महानगरों की सड़कों पर चलने की अनुमति नहीं देना। इसके साथ ही जिन-जिन वाहनों को चलने की अनुमति है उन सभी वाहनों में वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण

पत्र यानी 'पीयूसी' होना अनिवार्य भी है। इसका सीधा मतलब यह हुआ कि यदि आपके वाहन में एक वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र है तो आपका वाहन तय मानकों से अधिक प्रदूषण नहीं कर रहा और तभी आपके वाहन को सड़क पर आने की अनुमति है।

पिछले वर्ष नवम्बर के महीने में दिल्ली सरकार ने एक आदेश के तहत बिना वैध प्रदूषण प्रमाण पत्र के चलने वाले वाहनों पर 10,000 का मोटा जुर्माना लगाने के आदेश दिये थे। इनका पालन भी सख्ती से होता हुआ दिखाई दिया। दिल्ली की सड़कों पर परिवहन विभाग व ट्रैफ़िक पुलिस के अधिकारी इसे सख्ती से लागू करते हुए नज़र भी आए।

हर साल दिवाली के आस-पास दिल्ली एनसीआर पर एक ज़हरीली हवा की चादर चढ़ जाती है। पर्यावरण विशेषज्ञ, नेता और संबंधित सरकारी विभागों के अफसर हर साल की तरह इस साल भी इस समस्या को लेकर सिर खपा रहे हैं। उन्होंने अब तक के अपने सोच विचार का नतीजा यह बताया है कि खेतों में फसल कटने के बाद जो ठूंठ बचते हैं उन्हें खेत में जलाए जाने के कारण ये धुंआ बना है जो एनसीआर के ऊपर छा गया है। लेकिन सवाल उठता है कि यह तो हर साल ही होता है तो नए जवाबों की तलाश क्यों हो रही है?

आनन-फ़ानन में हर वर्ष दिल्ली सरकार कड़े कदम उठा कर कई तरह के प्रतिबंध लगा देती है। जैसे निर्माण कार्य पर रोक लगाना। भवन के तोड़-फोड़ पर रोक लगाना। पुराने डीज़ल और पेट्रोल वाहनों पर रोक लगाना। कूड़े को जलाने पर रोक लगाना आदि। निर्माण कार्यों पर रोक लगाना तो समझ में आता है। परंतु जिन पुराने वाहनों पर रोक लगती है उससे सरकार को क्या हासिल होता है, यह समझ नहीं आता।

उदाहरण के तौर पर यदि आपका वाहन दस साल से अधिक पुराना नहीं है और उसमें एक वैध पीयूसी सर्टिफिकेट तो आपका वाहन प्रदूषण के तय मानकों की सीमा में ही हुआ। यानी आपका वाहन अनियंत्रित प्रदूषण नहीं कर रहा। इसके बावजूद अपनी गाड़ियों में नियमित 'पीयूसी' जाँच करवाने वालों को प्रतिबंध के चलते वाहन सड़क पर लाने की इजाज़त नहीं दी जाती।

क्या ऐसा करना उचितहै? यदि कोई मजबूरी में प्रतिबंधित वाहन को सड़क पर ले भी आता है तो पुलिस वाले उससे 20,000 का चालान वसूलने लगते हैं। ऐसे में ये लोग चालान न देने के लिए या तो बहाने बनाते हैं या पुलिस वालों की जेब गरम कर देते हैं। यानी प्रदूषण की समस्या के साथ-साथ भ्रष्टाचार जैसी समस्या भी जन्म ले लेती है।

ठीक उसी तरह, जब भी कोई वाहन ख़रीदने पर उपभोक्ता रोड टैक्स देते हैं तो उन्हें सड़कों की दुरुस्त हालत क्यों नहीं मिलती? टूटी-फूटी सड़कों पर वाहन अवरोधों के साथ चलने पर मजबूर होते हैं, नतीजा जगह-जगह ट्रैफ़िक जाम हो जाता है।

ऐसे जाम में खड़े रहकर आप न सिर्फ़ अपना समय ज़ाया करते हैं बल्कि महँगा ईंधन भी ज़ाया करते हैं। जितनी देर तक जाम लगा रहेगा, आपका वाहन बंपर-टू-बंपर चलेगा और बढ़ते हुए प्रदूषण की आग में घी का काम करेगा। ऐसे में जिन वाहनों को पुराना समझ कर प्रतिबंधित किया जाता है, उनसे कहीं ज़्यादा मात्रा में नये वाहनों द्वारा प्रदूषण होता है। इसलिए लोक निर्माण विभाग या अन्य एजेंसियों की यह ज़िम्मेदारी होनी चाहिए कि वह सड़कों को दुरुस्त रखें जिससे प्रदूषण को बढ़ावा नहीं मिले। सरकार को प्रदूषण की समस्या से छुटकारा पाना है तो उसे इसके असल कारणों पर वार करना होगा तभी हमारा पर्यावरण स्वच्छ हो पाएगा।

विपरीत परिस्थितियों में उपलब्धियों का सृजन करना सबसे अहम

> हमारे धर्म शास्त्रों में मन की शक्ति को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। आमतौर पर देखा गया है कि जो अटल इरादों के धनी होते हैं, उनके लिए अपने समूचे जीवन में 'असंभव' का कहीं कोई स्थान नहीं होता। नजरें दौड़ाएं तो पाएंगे कि ऐसे अनेक चेहरे हमारे आसपास भी बहुतायत से मिल सकते हैं। बस, जिस पल हमारी दृष्टि में ऐसे किसी व्यक्तित्व का अक्स मानस पटल पर तैर जाए, समझ लेना चाहिए कि आदर्श गुरु की खोज पूरी हो गई। समय-समय पर अलग-अलग वर्ग के कर्मठ लोगों को अपना प्रेरक मानते हुए हम अपने जीवन में उत्तरोत्तर प्रगति पथ पर अग्रसर हो सकते हैं।

राजेंद्र बज

जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। उतार के दौर में कहीं फिसल न जाएं और चढ़ाव के दौर में कहीं डगमगा न जाएं, बस इतनी-सी बात ध्यान रखकर सम-विषम परिस्थितियों का मुकाबला किया जा सकता है। ऐसा नहीं है कि हमारे जीवन में परिस्थितियां ताउम्र एक समान रहें। ऐसा भी नहीं है कि हमारी मनोस्थिति अनुकूल और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी समता भाव लिए हो। दरअसल, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ घटित होता है, वह कर्मजन्य तो होता ही है- लेकिन कभी-कभी परिस्थितिवश भी घटित हो जाता है। अब यह हमारे ऊपर निर्भर करता है कि हम जीवन के उतार-चढ़ाव के दौर में अपने आप को कितना संयत रख पाते हैं ! ऐसा दौर वास्तव में हमारे संयम की परीक्षा लिया करता है।

दरअसल, किसी भी शख्सियत के व्यक्तित्व और कृतित्व में निखार भी तभी आ पाता है, जब वह कड़े संघर्ष के दौर से गुजर कर समाज और राष्ट्र के लिए कुछ कर सके। अन्यथा जीने को तो सभी जीते हैं, लेकिन विपरीत परिस्थितियों से पार पाकर उपलब्धियों का सृजन करना अपने आप में सबसे अहम है। हालांकि प्रथम दृष्टया हम अपने और अपने परिवार के लिए जीते हैं। हम मन-वचन-कर्म

की संपूर्ण एकाग्रता के साथ समाज में अपनी भूमिका का निर्धारण करते हुए जीवनयापन का कोई माध्यम अपनाते हैं। हम पूर्ण रूप से व्यक्तिगत जीवन जी कर भी सार्वजनिक तौर पर जन-जन को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से कर्मठता के प्रति प्रेरित भी करते हैं।

जाहिर तौर पर हमारा जीना अपने और अपनों के लिए होता है, लेकिन किसी न किसी रूप में कोई न कोई हमारे आचरण और व्यवहार को अपने व्यावहारिक जीवन में भी उतारता है। एक प्रकार से हम कहीं न कहीं किसी अन्य के लिए प्रेरक का कार्य करते हैं, लेकिन हम नहीं जानते कि हमसे कौन-कौन और किस-किस प्रकार की प्रेरणा प्राप्त कर रहा है। सांसारिक जीवन में हर एक व्यक्ति किसी न किसी व्यक्ति विशेष के व्यक्तित्व और कृतित्व से गहरे रूप से प्रभावित होता है। समाज में अनेक चेहरे ऐसे होते हैं, जिनके मन-वचन-कर्म की एकाग्रता उनकी सफलता के कारक के रूप में जानी जाती है।

ऐसे व्यक्तित्व का अनुकरण करने की प्रक्रिया समाज में आम देखी जा सकती है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी रूप में किसी अन्य के लिए प्रेरक का कार्य कर रहा होता है। हालांकि हम नहीं जानते कि हमसे कौन कैसी प्रेरणा ले रहा है? ऐसे में हमें चाहिए कि हम जीवन में आने वाली तमाम चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना करें। हम किसी और पर विश्वास कर पाएं या नहीं, लेकिन अपने आप पर अटूट विश्वास को कभी खंडित नहीं होने देना चाहिए। यों भी कहा गया है कि 'मन के हारे हार है और मन के जीते जीत'। जिस शख्सियत ने इस परम सत्य को जान लिया और अपने व्यावहारिक जीवन में आत्मसात कर लिया, उसकी सफलता में कहीं कोई बाधा नहीं आ सकती।

हमारे धर्म शास्त्रों में मन की शक्ति को महत्त्वपूर्ण स्थान दिया गया है। आमतौर पर देखा गया है कि जो अटल इरादों के धनी होते हैं, उनके लिए अपने समूचे जीवन में 'असंभव' का कहीं कोई स्थान नहीं होता। नजरें दौड़ाएं तो पाएंगे कि ऐसे अनेक चेहरे हमारे आसपास भी बहुतायत से मिल सकते हैं। बस, जिस पल हमारी दृष्टि में ऐसे किसी व्यक्तित्व का अक्स मानस पटल पर तैर जाए, समझ लेना चाहिए कि आदर्श गुरु की खोज पूरी हो गई। समय-समय पर अलग-अलग वर्ग के कर्मठ लोगों को अपना प्रेरक मानते हुए हम अपने जीवन में उत्तरोत्तर प्रगति पथ पर अग्रसर हो सकते हैं।

आमतौर पर बाल मन में विभिन्न महान लोगों के व्यक्तित्व और कृतित्व को स्थापित किया जाता है। हर कोई शीर्ष महान नहीं बन सकता, लेकिन जब करोड़ों में लाखों की तलाश हो, तब भी महान व्यक्ति तो हमें गढ़ने होंगे। ऐसे लोगों के पदचिह्नों पर चलने वाली शख्सियत को भी स्वीकार करने की आवश्यकता होगी। कल्पना करने की बात है कि लाखों-करोड़ों विद्यार्थियों में कितने आइएएस या आइपीएस बन सकेंगे, कितने आइआइटी निकाल सकेंगे।

ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि हम अनुयायियों के भी अनुयायी बनें। हम अपने आसपास दृष्टिपात करें, तो ऐसे चेहरे हमें नजर आ सकते हैं। दरअसल, आवश्यकता इस बात की है कि हम लगभग प्रत्येक व्यक्ति के आचरण और व्यवहार में अंतर्निहित पराक्रम के भाव को समझने का प्रयास करें। निश्चित ही इस दिशा में कुछ करने के लिए हमें कोई अधिक मशक्कत भी नहीं करनी होगी। हां, प्रयासों में ईमानदारी का तकाजा हमेशा ही रहेगा। दृष्टि में वस्तुपरकता की आवश्यकता सबसे ऊपर रहेगी, क्योंकि तभी हम उस व्यक्ति की पहचान कर सकेंगे, जिनके पदचिह्नों पर हम चल सकें। किसी भी व्यक्ति का मूल्यांकन रहित अंधानुकरण हमेशा नकारात्मक और विपरीत नतीजे देने वाला होता है। इसलिए अनुकरण की अहमियत तभी उचित सिद्ध होती है, जब वह हमें मनुष्य के रूप में बेहतर बनाए।

10000 प्रतिशत की ताबड़तोड़ तेजी, तीन साल में 13 रुपये से 1300 के पार पहुंचा यह मल्टीबैगर

नई दिल्ली, एजेंसी। सोलर इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी वारी रिन्यूएबल के शेयरों ने पिछले 3 साल में छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। मल्टीबैगर कंपनी के शेयर पिछले 3 साल में 13 रुपये से बढ़कर 1300 रुपये के पार पहुंच गए हैं। वारी रिन्यूएबल के शेयरों ने इस अवधि में 10000 पर्सेंट से ज्यादा रिटर्न दिया है। इस छोटी कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1509.45 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 445 रुपये है।

शेयरों में 10000 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी

वारी रिन्यूएबल के शेयर 20 नवंबर 2020 को 12.50 रुपये पर थे। पावर जेनरेशन इंडस्ट्री से जुड़ी इस छोटी कंपनी के शेयर 24 नवंबर 2023 को 1358.90 रुपये पर बंद हुए हैं। कंपनी के शेयरों ने पिछले 3 साल में 10780 पर्सेंट का रिटर्न दिया है। अगर किसी निवेशक ने 3 साल पहले वारी रिन्यूएबल के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने इनवेस्टमेंट को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में इन शेयरों की वैल्यू 1.08 करोड़ रुपये होती।

11 महीने में कंपनी के शेयरों में 203 प्रतिशत का उछाल

वारी रिन्यूएबल के शेयरों में पिछले 11 महीने में 203 पर्सेंट की तेजी आई है। कंपनी के शेयर 23 दिसंबर 2022 को 450.05 रुपये पर थे। वारी रिन्यूएबल के शेयर 24 नवंबर 2023 को 1358.90 रुपये पर पहुंच गए हैं। अगर 1 साल की बात करें तो कंपनी के शेयरों में करीब 173 पर्सेंट का उछाल आया है। वहीं, पिछले 6 महीने में वारी रिन्यूएबल के शेयर 55 पर्सेंट चढ़ गए हैं। इस साल अब तक पावर जेनरेशनल कंपनी के शेयरों में करीब 171 पर्सेंट का उछाल आया है। कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 74.48 पर्सेंट है।

क्या करती है कंपनी

वारी रिन्यूएबल का कामकाज सोलर इंडस्ट्री से जुड़ा है। कंपनी रूफटॉप सोलर प्रोजेक्ट्स, फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट्स और ग्राउंड माउंटेड सोलर प्रोजेक्ट्स इंस्टॉल करती है। कंपनी का कहना है कि उसने देश में 100000 से ज्यादा रूफटॉप सोलर प्रोजेक्ट्स इंस्टॉल किए हैं।

वित्त मंत्री सीतारमण ने राज्य सरकार की ओर से फंड्स की अनदेखी से जुड़े आरोपों को नकारा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को केरल की वाम सरकार के धन आवंटन में लापरवाही के आरोपों को खारिज किया और दावा किया कि केंद्र सरकार बिना किसी देरी के दक्षिणी राज्य के लोगों को जरूरी पैसे तुरंत भेजती है। अलग-अलग श्रेणियों के तहत धन जारी नहीं करने के वाम सरकार के आरोपों का जवाब देते हुए उन्होंने राज्य सरकार पर उंगली उठाई और आरोप लगाया कि देरी आवश्यक मानदंडों को पूरा करने में राज्य की विफलता के कारण है। केंद्र सरकार की कथित उपेक्षा के खिलाफ जनवरी में नई दिल्ली में विरोध प्रदर्शन की घोषणा करने वाले सत्तारूढ़ माकपा नीत गठबंधन की आलोचना करते हुए वित्त मंत्री ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2009-10 से 2023-24 तक केरल को वित्त आयोग अनुदान की सबसे अधिक राशि जारी की गई है। वित्त मंत्री ने कहा, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (एनएसएपी) के तहत सभी लंबित देनदारियों और वरिष्ठ नागरिक पेंशन को कवर करने वाली 2023-24 की पहली किस्त के तहत केरल को अक्टूबर 2023 में 602.14 करोड़ रुपये पहले ही जारी किए जा चुके हैं।

TVS Motor plans to expand electric two-wheeler range over next year

TVS Motor Company aims to expand its electric two-wheeler portfolio over the next one year as it looks to cater to customers at multiple price points, according to a top company official.

The Chennai-based company, which currently has two e-scooters in its portfolio, also plans to expand its electric vehicle sales infrastructure going ahead. It is also developing an electric three-wheeler. "We are also planning to launch a series of products in the range of 5 to 25 kilowatts in the next year," TVS Motor Company Director and CEO K N Radhakrishnan said in an analyst call. He noted that with robust demand in the market, the company has ramped up the production capacity of electric scooter iQube to 25,000 units per month and plans to enhance it further going ahead.

TVS plans to commence sales of its new electric scooter TVS X in the current quarter. Radhakrishnan said TVS has close to 400 touchpoints for e-scooters, and the company is continuously expanding the same. "With the product lineup planned from TVS and continuous improvement in infrastructure, we are confident that we will continue to be a strong player in the EV segment," he noted. Replying to a query regarding exports, Radhakrishnan said that "in the next two to three-quarters iQube should be available in many markets". He further said: "We want to take it to many markets and at some point of time iQube will also get into Europe. So, there is a very clear strategy, plan and very clear network plan we have put, and we will take our EV in every market."

TVS X would play a key role in both domestic and international markets, he added. When asked about the electric three-wheeler, Radhakrishnan said: "The product is getting ready." The company is focusing on the three-wheeler segment "because this is one area we need to improve", he added. The company is doing pretty well in the three-wheeler segment when it comes to the international market, Radhakrishnan said. "We are doing extremely well and there also we will use this EV three-wheeler going forward," he added.

2 रुपये से 130 रुपये के पार पहुंचे ध्रुव कैपिटल सर्विसेज के शेयर, ढाई साल में 6800 प्रतिशत की तूफानी तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी ध्रुव कैपिटल सर्विसेज के शेयर पिछले ढाई साल से दहाड़ रहे हैं। कंपनी के शेयर इस अवधि में 2 रुपये से बढ़कर 130 रुपये के पार पहुंच गए हैं। ध्रुव कैपिटल सर्विसेज के शेयरों में इस अवधि में 6800 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी आई है। कंपनी के शेयर शुक्रवार 24 नवंबर 2023 को अपने अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं। ध्रुव कैपिटल सर्विसेज के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 10.83 रुपये है। ध्रुव कैपिटल सर्विसेज के शेयर 23 अप्रैल 2021 को 1.95 रुपये पर थे। नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी ध्रुव कैपिटल सर्विसेज के शेयर 24 नवंबर 2023 को 136.25 रुपये पर बंद हुए हैं। कंपनी के शेयरों में पिछले ढाई साल में 6887 पर्सेंट की तेजी आई है। अगर किसी व्यक्ति ने 23 अप्रैल 2021 को ध्रुव कैपिटल सर्विसेज के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में इन शेयरों की वैल्यू 69.87 लाख रुपये होती। ध्रुव कैपिटल सर्विसेज के शेयरों में पिछले एक साल में 1025 पर्सेंट का उछाल आया है। नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी के शेयर 28 नवंबर 2022 को 12.12 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 24 नवंबर 2023 को बढ़कर 136.25 रुपये पर पहुंच गए हैं। वहीं, इस साल अब तक ध्रुव कैपिटल सर्विसेज के शेयरों में 455 पर्सेंट की तेजी आई है। साल की शुरुआत में 2 जनवरी 2023 को कंपनी के शेयर 24.55 रुपये पर थे, जो कि अब 136.25 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले एक महीने में कंपनी के शेयरों में करीब 37 पर्सेंट का उछाल आया है।

एफपीआई का बदला रुख, नवंबर के आखिर में फिर जगा भारती शेयरों में भरोसा

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने नवंबर में भारतीय शेयरों में 378 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया। इसका मुख्य कारण अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट है। आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने अक्टूबर में 24,548 करोड़ रुपए और सितंबर में 14,767 करोड़ रुपए मूल्य की भारतीय इक्विटी की बिकवाली की थी। इससे पहले एफपीआई मार्च से अगस्त तक पिछले छह महीनों में लगातार भारतीय शेयर खरीद रहे थे। इस अवधि में 1.74 लाख करोड़ रुपए की खरीद हुई। कुल मिलाकर 2023 के लिए संचयी रुझान अच्छा बना हुआ है। इस वित्त वर्ष में अभी तक एफपीआई ने 96,340 करोड़ रुपए का निवेश किया है।

यस सिक्योरिटीज इंडिया में इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज रिसर्च के रणनीतिकार हितेश जैन ने कहा, ''हमारा मानना है कि आने वाले समय में ईएम (उभरते बाजारों) में जोखिम उठाने की क्षमता में सुधार तथा अमेरिका में जोखिम-मुक्त प्रतिफल में गिरावट से एफपीआई भारत की ओर आकर्षित होंगे। आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने इस महीने (24 नवंबर तक) भारतीय शेयरों में 378.2 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया। विदेशी निवेशक इस महीने चार दिन लिवाल रहे और शुक्रवार को 2,625 करोड़ रुपए की बड़ी खरीदारी की।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी. के. विजयकुमार ने कहा, ''अक्टूबर के मध्य में अमेरिका में मुद्रास्फीति में उम्मीद से बेहतर गिरावट ने बाजार को यह मानने का विश्वास दिला दिया है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने दरों में बढ़ोतरी कर दी है। इसके परिणाम स्वरूप अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में तेजी से गिरावट आई है और 10-वर्षीय बेंचमार्क बॉन्ड प्रतिफल अक्टूबर मध्य में पांच प्रतिशत से घटकर अब 4.40 प्रतिशत हो गया।

मॉर्निंगस्टार इंवेस्टमेंट एडवाइजर इंडिया के सह निदेशक एवं शोध प्रबंधक हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, ''अनिश्चित वैश्विक कारक भारत के शेयर बाजारों में विदेशी निवेश की दिशा तय कर रहे हैं। सितंबर में एफपीआई ने बिकवाली की सिलसिला शुरू किया था। इसके पीछे अमेरिकी ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता, बॉन्ड प्रतिफल में तेजी, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और इजराइल-हमास संघर्ष से भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने की अहम भूमिका रही थी। इस साल अब तक अक्टूबर में घरेलू इक्विटी बाजार में एफपीआई का कुल निवेश 6,381 करोड़ रुपए और ऋण बाजार में 12,400 करोड़ रुपए से अधिक हो गया है।

कंपनी ने एनएचएआई से मिलाया हाथ, शेयर 3 प्रतिशत से अधिक चढ़ा, कीमत 50 से कम

नई दिल्ली, एजेंसी। आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स की सहयोगी आईआरबी ललितपुर टोलवे ने मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग 44 के ललितपुर-लखनादौन खंड के टोलिंग, संचालन और रखरखाव के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने एक बयान में यह जानकारी दी है। शुक्रवार को कंपनी के शेयर का भाव 3 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 38.95 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। आईआरबी इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स ने शनिवार को कहा कि इस परियोजना में 20 वर्षों की राजस्व-संबद्ध रियायत समय के लिए एनएच-44 के 316 किमी लंबे हिस्से के टोलिंग और ओएंडएम के लिए एनएचएआई को 4,428 करोड़ रुपये का अग्रिम भुगतान शामिल है।

30 नवंबर तक हर हाल में निपटा लें जरूरी काम , नहीं तो होगा बड़ा नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। नवंबर का महीना खत्म होने वाला है। इसके बाद दिसंबर महीने की शुरुआत हो जाएगी। कुछ ऐसे काम हैं जिन्हें 30 नवंबर तक निपटाना जरूरी है। ऐसा नहीं करने पर आपको नुकसान हो सकता है। आज हम आपको ऐसे ही जरूर काम के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें आप 30 नवंबर तक हर हाल में निपटा लें। इस महीने के अंत तक निपटाने वाला पहला जरूरी का पेंशनर्स का है। पेंशनर्स को हर साल अपना लाइफ सर्टिफिकेट जमा करना होता है। लाइफ सर्टिफिकेट जमा करने का मतलब होता है कि आप जीवित हैं। आप लाइफ सर्टिफिकेट ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से जमा कर सकते हैं। अगर आपने लाइफ सर्टिफिकेट जमा नहीं किया है तो इसे फटाफट जमा कर दीजिए। इस तरह से आप लाइफ सर्टिफिकेट जमा कर सकते हैं।

ऐसे जमा करें लाइफ सर्टिफिकेट

आप जीवन प्रमाण पत्र को इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के जरिए जमा कर सकते हैं। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक पोस्टमैन और ग्रामीण डाक सेवक के जरिए यह सुविधा दे रहा है। वहीं पेंशनर्स घर बैठे जीवन प्रमाण पोर्टल पर जाकर भी लाइफ सर्टिफिकेट जमा कर सकते हैं। आप अपने बैंक में जाकर डोरस्टेप बैंकिंग की सुविधा ले सकते हैं। इसके सर्विसेज के तहत लाइफ सर्टिफिकेट भी जमा होता है। इसके लिए मोबाइल ऐप, वेबसाइट या टोल फ्री नंबर के जरिए बुकिंग की जाती है। डोरस्टेप बैंकिंग एजेंट घर पर आकर पेंशनर्स लाइफ सर्टिफिकेट ले जाते हैं।

इनकम टैक्स से जुड़े काम

टैक्सपेयर और कंपनियों के लिए इस महीने टैक्स से जुड़े कुछ जरूरी काम पूरे करने हैं। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट द्वारा कैलेंडर में लोगों को इन जरूरी तिथियों के बारे में जानकारी दी जाती है। इनके हिसाब से लोग अपनी टैक्स की प्लानिंग कर सकते हैं। 30 नवंबर तक अक्टूबर 2023 के लिए धारा 194-आई, 194-आइबी, 194एम और 194एस के तहत काटे गए टैक्स के संबंध में चालान-सह-विवरण प्रस्तुत करना होगा। वहीं 30 नवंबर उन व्यक्तियों या संस्थाओं के लिए मूल्यांकन वर्ष 2023-24 के लिए आय का रिटर्न दाखिल करने की ड्यू डेट है, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय या घरेलू लेनदेन से संबंधित धारा 92ई के तहत एक रिपोर्ट जमा करने की जरूरत होती है।

सरकारी स्कीम में दोगुना हो गया निवेशकों का पैसा

▶▶ एक लाख लगाने वालों को मिले पूरे 2.30 लाख रुपये ▶▶ सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की पहली सीरीज 30 नवंबर को मैच्योर हो रही

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप अपनी मेहनत की कमाई को कहीं निवेश करने की सोच रहे हैं तो ये खबर आपके काम की है। आज हम आपको एक ऐसी सरकारी योजना के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसमें निवेश करने वालों का पैसा दोगुना हो गया है। आपके पास भी आने वाले समय में इस योजना में निवेश का मौका रहेगा। हम बात कर रहे हैं सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की। अगर आप एफडी में निवेश करते तो आपका पैसा 7 फीसदी के हिसाब से करीब 10 साल में दोगुना होगा। बता दें कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की पहली सीरीज 30 नवंबर, 2023 को मैच्योर हो रही है। अगर आपने अभी तक सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम में निवेश नहीं किया है तो आपके पास इसी अगली सीरीज में निवेश का मौका रहेगा। अब जल्द ही इसकी अगली सीरीज जारी होने वाली है।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की पहली सीरीज 30 नवंबर, 2023 को मैच्योर हो रही है। ये बॉन्ड 2,684 रुपये प्रति ग्राम के इश्यू प्राइस पर 26 नवंबर, 2015 को जारी किए गए थे। अभी गोल्ड की कीमत 6,100 रुपये प्रति ग्राम के करीब है। ऐसे में देखें तो सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की पहली सीरीज में जिन निवेशकों ने एक लाख रुपये लगाए होंगे, उनका एक लाख रुपया बढ़कर अब 2.30 लाख रुपये के करीब हो गए होंगे। हालांकि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की पहली किस्त का रिडेंप्शन प्राइस अभी घोषित नहीं हुआ है। इसका रिडेंप्शन प्राइस आईबीजेए द्वारा जारी इस महीने के अंतिम तीन दिनों के सोने के औसत रेट से तय होगा।

मैच्योरिटी से पहले नहीं निकाल सकते पैसा

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की मैच्योरिटी अवधि 8 साल की होती है। हालांकि निवेशकों को मैच्योरिटी से पहले अपना पैसा निकालने की इजाजत है। निवेशकों को यह इजाजत 5 साल के बाद ही मिलती है। इसका मतलब है कि निवेशकों को कम से कम 5 साल तक इन बॉन्ड्स में अपना निवेश बनाए रखना पड़ता है। बता दें कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड आरबीआई सरकार की ओर से जारी करता है, इसलिए इसकी सरकारी गारंटी होती है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश पर सालाना 2.5 फीसदी ब्याज मिलता है। यह पैसा हर 6 महीने पर निवेशकों के बैंक अकाउंट में डाल दिया जाता है।

अभ्युदय सहकारी बैंक पर संकट? आरबीआई के एक्शन से मिले संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते कुछ समय में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कई को-ऑपरेटिव बैंकों के या तो लाइसेंस रद्द किए हैं या जुर्माना या पाबंदियां लगाई हैं। अब इस लिस्ट में एक और को-ऑपरेटिव बैंक का नाम जुड़ गया है। दरअसल, रिजर्व बैंक ने खराब संचालन मानकों के कारण अभ्युदय सहकारी बैंक के निदेशक मंडल को एक साल के लिए निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने सहकारी बैंक के प्रबंधन के लिए एक प्रशासक नियुक्त किया है।

रिजर्व बैंक ने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक सत्य प्रकाश पाठक को एक साल के लिए मुंबई स्थित बैंक का प्रशासक नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही प्रशासक की सहायता के लिए सलाहकारों की एक समिति भी नियुक्त की गई है। हालांकि, रिजर्व बैंक ने अभ्युदय सहकारी बैंक पर कोई व्यावसायिक प्रतिबंध नहीं लगाया है और बैंक प्रशासक के मार्गदर्शन में अपनी सामान्य बैंकिंग गतिविधियां जारी रखेगा।

अभ्युदय सहकारी बैंक की शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) बढ़कर 12 प्रतिशत हो गई है। बैंक का लागत-आय अनुपात 80 प्रतिशत तक बढ़ गया है। न्यूज एजेंसी पीटीआई सूत्रों ने कहा कि खराब प्रशासन के कारण धीरे-धीरे एनपीए बढ़ता गया और लागत-आय अनुपात में गिरावट आई। सूत्रों के मुताबिक चेयरमैन संदीप घंडत की अगुवाई में बैंक प्रबंधन ने बहुत अधिक भर्तियां कीं। मामले से जुड़े लोगों ने कहा कि बैंक ने वित्त वर्ष 2012-13 में परिचालन लाभ कमाया था।

बैंकों के नाम से हो रही साइबर ठगी पर सरकार हुई सख्त, धोखाधड़ी रोकने के लिए बनेगी नई गाइडलाइन

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंकों और ग्राहकों को साइबर फ्रॉड से बचाने के लिए अब केंद्र सरकार महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है। वित्त मंत्रालय साइबर सुरक्षा से जुड़े मसलों पर बात करने के लिए अगले सप्ताह सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के मुख्य कार्याधिकारियों के साथ बैठक करेगा। इस महीने की शुरुआत में कोलकाता के यूको बैंक के साथ हुई 820 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी को देखते हुए यह बैठक की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि वित्त मंत्रालय ने पहले ही बैंकों से कहा है कि वे अपनी डिजिटल व्यवस्था और साइबर सुरक्षा से जुड़े कदमों की समीक्षा करें। मंत्रालय अब सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के एमडी और सीईओ के साथ बैठक कर स्थिति की जानकारी लेगा।

दरअसल, दीपावली के दौरान यूको बैंक एक आईएमपीएस धोखाधड़ी से प्रभावित हुआ था, जिसमें यूको बैंक के कुछ खाताधारकों के खाते में 820 करोड़ रुपये जमा किए गए थे, जबकि किसी अन्य बैंक से कोई निकासी नहीं हुई थी। यूको बैंक इसमें से करीब 679 करोड़ रुपये या 79 फीसदी वापस लेने में सफल हुआ था, वहीं शेष राशि खाताधारकों ने निकाल ली। बैंक ने कहा कि 10 और 13 नवंबर के बीच इमीडिएट पेमेंट सर्विस से अन्य बैंकों के खातेदारों द्वारा कुछ लेन देन की पहल की गई, जिससे यूको बैंक के खाताधारकों के खातों में पैसे जमा हो गए, जबकि वास्तव में उन बैंकों से कोई धन प्राप्त नहीं हुआ। हाल ही में रिजर्व बैंक ने कहा था कि साइबर सुरक्षा की जरूरतों का न्यूनतम साझा ढांचा तैयार किया जाना चाहिए, जिससे कि वित्तीय संस्थानों के लिए बेहतरीन गतिविधियां और मानक स्थापित हो सकें और इससे सभी संस्थानों को साइबर जोखिम से खुद को बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाने में मदद मिल सके।

रिज़र्व बैंक दे चुका है चेतावनी

भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों के लिए अनिवार्य किया है कि वे व्यापक रूप से स्वीकार्य साइबर सुरक्षा नीति अपनाएं, जिसमें साइबर जोखिम को रोकने के लिए रणनीति स्पष्ट की गई हो और कारोबार की जटिलता के स्तर के मुताबिक जोखिम स्वीकार्य स्तर तक ही रहे। नियामक ने जोर दिया है कि साइबर सुरक्षा नीति व्यापक आईटी नीति से अलग बनाने की जरूरत है। रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर एम राजेश्वर ने भी बैंकों की साइबर सुरक्षा का मसला उठाते हुए कहा था कि बैंकों को हाइपर पर्सनलाइज्ड और टेक बैंकिंग माहौल में साइबर धोखाधड़ी को रोकने के लिए साइबर सुरक्षा मजबूत करनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि बैंकों को समय से ग्राहकों की शिकायत का समाधान मुहैया कराने की कवायद करने की जरूरत है, जो टेक्नोलॉजी और उत्पादों की व्यापकता में तालमेल नहीं बिठा पाए हैं। रिजर्व बैंक ने कहा था कि इस तरह के व्यवधान से ग्राहकों और कारोबारियों को अपना धन पाने या सामान्य वित्तीय गतिविधियां संचालित करने में कठिनाई हो सकती है और बैंकिंग व्यवस्था से भरोसा खत्म हो सकता है।

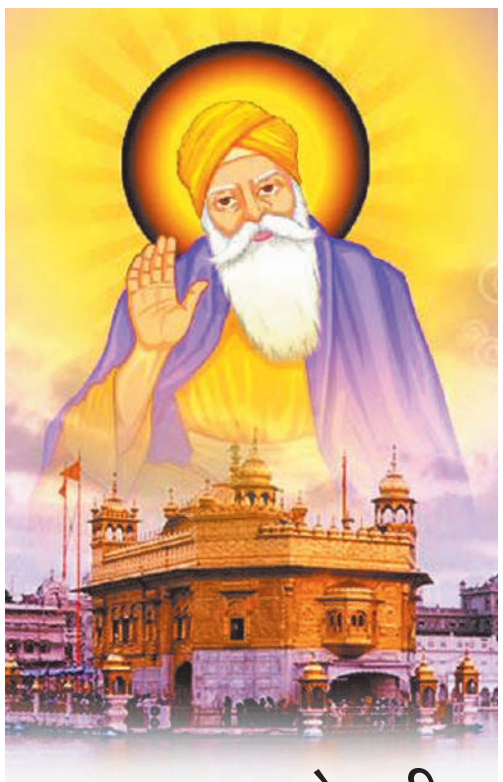

गुरु नानक देवजी के दस सिद्धांत हर किसी के जीवन के लिए प्रेरणादायी हैं

नानक देवजी ने जात-पात को समाप्त करने और सभी को समान दृष्टि से देखने की दिशा में कदम उठाते हुए लंगर की प्रथा शुरू की थी। लंगर में सब छोटे-बड़े, अमीर-गरीब एक ही पंक्ति में बैठकर भोजन करते हैं। आज भी गुरुद्वारों में उसी लंगर की व्यवस्था चल रही है।

सिखों के पहले गुरु गुरु नानक देवजी का प्रकाश उत्सव (जन्मदिन) कार्तिक पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। गुरु नानक का जन्म तलवंडी में हुआ था जो अब ननकाना साहिब के नाम से विख्यात है। तलवंडी पाकिस्तान के लाहौर शहर से लगभग 30 मील दूर दक्षिण पश्चिम में स्थित है। गुरु नानक जी के प्रकाश उत्सव पर प्रति वर्ष भारत से सिख श्रद्धालुओं का जत्था ननकाना साहिब जाकर वहां अरदास करता है।

सिख ग्रंथों के अनुसार, जब गुरु नानक देवजी का जन्म हुआ तो उस समय शिशु के मस्तक पर तेज आभा थी। उनके पिता कालूचंद्र बेदी और मां त्रिपाता ने इस बालक का नाम नानक रखा। बालक के चेहरे पर तेज को देख गांव के पुरोहित हरदयाल जल्द ही यह भांप गए कि इसमें जरूर ईश्वर का कोई रहस्य छुपा हुआ है। बालक नानक शुरू से ही आध्यात्मिक स्वभाव के थे। उन्होंने पूरा जीवन लोगों की सेवा में बिताया। उनके पिता ने पंडित हरदयाल के पास उन्हें शिक्षा ग्रहण करने के लिए भेजा लेकिन पंडितजी बालक नानक के प्रश्नों पर निरुत्तर हो जाते थे और उनके ज्ञान को देखकर समझ गए कि नानक को स्वयं ईश्वर ने पढ़ाकर संसार में भेजा है। इसके उपरांत नानक को मौलवी कुतुबुद्दीन के पास पढ़ने के लिए बिठाया गया। नानक के प्रश्न से मौलवी भी निरुत्तर हो गए। विद्यालय की दीवारें नानक को बांधकर न रख सकीं। उन्होंने समाज को जो शिक्षा और सिद्धांत दिए उससे शांति स्थापना में बड़ी कामयाबी मिली।

उस समय अंधविश्वास और आडंबरों का चारों ओर बोलबाला था और धार्मिक कट्टरता बढ़ रही थी। नानकदेव इन सबके विरोधी थे। जब नानक का जनेऊ संस्कार होने वाला था तो उन्होंने इसका विरोध किया। उन्होंने कहा कि अगर सूत के डालने से मेरा दूसरा जन्म हो जाएगा, मैं नया हो जाऊँगा, तो ठीक है। लेकिन अगर जनेऊ टूट गया तो, पंडित ने कहा कि बाजार से दूसरा खरीद लेना। इस पर नानक बोले, तो फिर इसे रहने दीजिए। जो खुद टूट जाता है, जो बाजार में बिकता है, जो दो पैसे में मिल जाता है, उससे उस परमात्मा की खोज क्या होगी। मुझे जिस जनेऊ की आवश्यकता है उसके लिए दया की कपास हो, संतोष का सूत हो, संयम की गांठ हो और जनेऊ सत्य की पूरक हो। यही जीव के लिए आध्यात्मिक जनेऊ है। यह न टूटता है, न इसमें मैल लगता है, न ही जलता है और न ही खोता है।

एक बार उनके पिता ने सोचा कि नानक आलसी हो गया है तो उन्होंने खेती करने की सलाह दी। इस पर नानकजी ने कहा कि वह सिर्फ सच्ची खेती-बाड़ी ही करेंगे, जिसमें मन को हलवाहा, शुभ कर्मों को कृषि, श्रम को पानी तथा शरीर को खेत बनाकर नाम को बीज तथा संतोष को अपना भाग्य बनाना चाहिए। नम्रता को ही रक्षक बाड़ बनाने पर भावपूर्ण कार्य करने से जो बीज जमेगा, उससे ही घर-बार संपन्न होगा। उनके इस वचन को सुनकर उनके पिता भी विस्मित हो उठे।

गुरु नानक देवजी ने जात-पात को समाप्त करने और सभी को समान दृष्टि से देखने की दिशा में कदम उठाते हुए लंगर की प्रथा शुरू की थी। लंगर में सब छोटे-बड़े, अमीर-गरीब एक ही पंक्ति में बैठकर भोजन करते हैं। आज भी गुरुद्वारों में उसी लंगर की व्यवस्था चल रही है, जहां हर समय हर किसी को भोजन उपलब्ध होता है। इस में सेवा और भक्ति का भाव मुख्य होता है। नानक देवजी का जन्मदिन गुरु पूर्व के रूप में मनाया जाता है। तीन दिन पहले से ही प्रभात फेरियां निकाली जाती हैं। जगह-जगह भक्त लोग पानी और शरबत आदि की व्यवस्था करते हैं। गुरु नानक जी का पूरा जीवन अनुकरणीय रहा और उन्होंने अपने जीवनकाल में अपने अनुयायियों को जीवन के दस सिद्धांत दिए। आज भी पूरी तरह प्रासंगिक यह सिद्धांत इस प्रकार हैं-

- ईश्वर एक है।
- सदैव एक ही ईश्वर की उपासना करो।
- जगत का कर्ता सब जगह मौजूद है।
- सर्वशक्तिमान ईश्वर की भक्ति करने वालों को किसी का भय नहीं रहता।
- ईमानदारी से मेहनत करके जीवन बिताना चाहिए।
- बुरा कार्य करने के बारे में न सोचें और न ही किसी को सताएं।
- सदा प्रसन्न रहना चाहिए।
- मेहनत और ईमानदारी से कमाई करके उसमें से जरूरतमंद को भी कुछ देना चाहिए।
- सभी स्त्री और पुरुष बराबर हैं।
- भोजन शरीर को जिंदा रखने के लिए जरूरी है पर लोभ-लालच व संग्रहवृत्ति बुरी है।

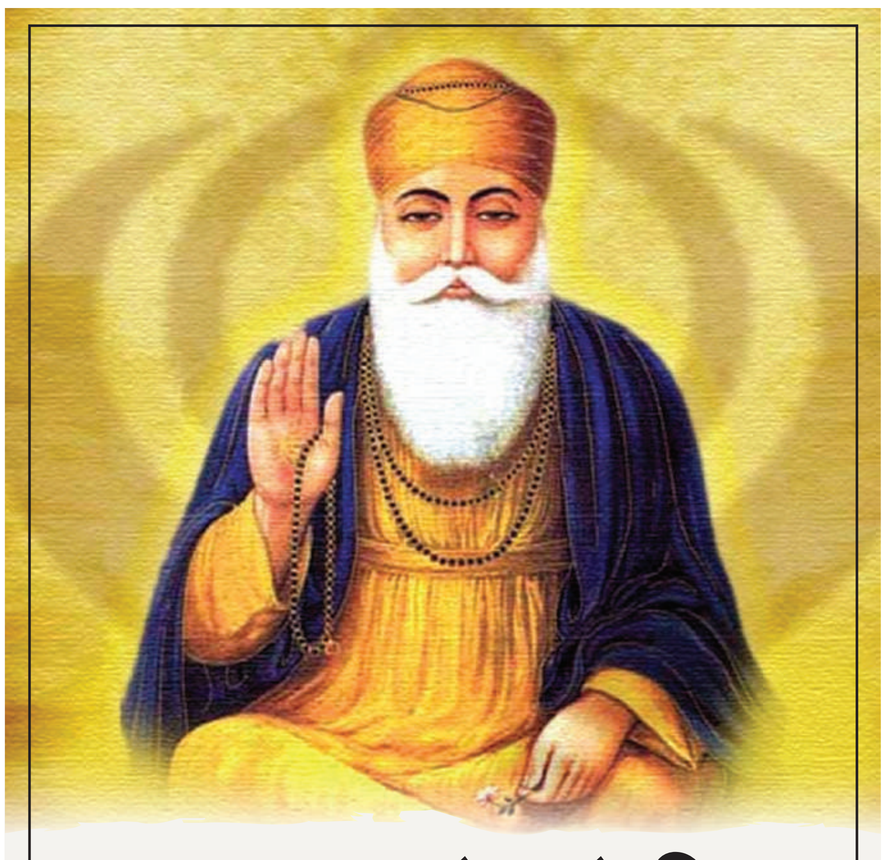

गुरु नानक देव ने सिख धर्म की स्थापना की थी

प्रतिवर्ष कार्तिक पूर्णिमा को गुरु नानक देव जी प्रकाशोत्सव पर्व मनाया जाता है। नानक देव का अवतरण संवत 1469 में कार्तिक पूर्णिमा के दिन माता तृप्ता देवी जी और पिता कालू खत्री जी के घर श्री ननकाना साहिब में हुआ था। उनकी महानता के दर्शन बचपन से ही दिखने लगे थे। उन्होंने बचपन से ही रूढ़िवादिता के विरुद्ध संघर्ष की शुरुआत कर दी थी, जब उन्हें 11 साल की उम्र में जनेऊ धारण करवाने की रीत का पालन किया जा रहा था।

जब पंडित जी बालक नानक देव जी के गले में जनेऊ धारण करवाने लगे तब उन्होंने उनका हाथ रोका और कहने लगे- 'पंडित जी, जनेऊ पहनने से हम लोगों का दूसरा जन्म होता है, जिसको आप आध्यात्मिक जन्म कहते हैं तो जनेऊ भी किसी और किस्म का होना चाहिए, जो आत्मा को बांध सके। आप जो जनेऊ मुझे दे रहे हो वह तो कपास के धागे का है जो कि मैला हो जाएगा, टूट जाएगा, मरते समय शरीर के साथ चिता में जल जाएगा। फिर यह जनेऊ आत्मिक जन्म के लिए कैसे हुआ? और उन्होंने जनेऊ धारण नहीं किया।'

अपने अंदर झांकें- 'अंतर मैल जे तीर्थ नावे तिसु बैंकुठ ना जाना/ लोग पतीणे कछु ना होई नाही राम अजाना,'

अर्थात सिर्फ जल से शरीर धोने से मन साफ नहीं हो सकता, तीर्थयात्रा की महानता चाहे कितनी भी क्यों न बताई जाए, तीर्थयात्रा सफल हुई है या नहीं, इसका निर्णय कहीं जाकर नहीं होगा। इसके लिए हरेक मनुष्य को अपने अंदर झांककर देखना होगा कि तीर्थ के जल से शरीर धोने के बाद भी मन में निंदा, ईर्ष्या, धन-लालसा, काम, क्रोध आदि कितने कम हुए हैं।

एक बार कुछ लोगों ने नानक देव जी से पूछा- आप हमें यह बताइए कि आपके मत अनुसार हिंदू बड़ा है या मुसलमान। नानक देव जी ने कहा, 'अवल अल्लाह नूर उपाइया कुदरत के सब बंदे/ एक नूर से सब जग उपजया को भले को मंदे,' अर्थात सब बंदे ईश्वर के पैदा किए हुए हैं, न तो हिंदू कहलाने वाला रब की निगाह में कबूल है, न मुसलमान कहलाने वाला। रब की निगाह में वही बंदा ऊंचा है जिसका अमल नेक हो, जिसका आचरण सच्चा हो।

गुरु नानक देव जी जनता को जगाने के लिए और धर्म प्रचारकों को उनकी खामियां बतलाने के लिए अनेक तीर्थस्थानों पर पहुंचे और लोगों से धर्मांधता से दूर रहने का आग्रह किया। उन्होंने पितरों को भोजन यानी मरने के बाद करवाए जाने वाले भोजन का विरोध किया और कहा कि मरने के बाद दिया जाने वाला भोजन पितरों को नहीं मिलता। हमें जीते जी ही मां-बाप की सेवा करनी चाहिए।

एक बार नानक जी ने तीर्थ स्थानों पर स्नान के लिए इकट्ठे हुए श्रद्धालुओं को समझाते हुए कहा- 'मन मैले सभ किछ मैला, तन धोते मन अच्छा न होई,' अर्थात अगर हमारा मन मैला है तो हम कितने भी सुंदर कपड़े पहन लें, अच्छे-से तन को साफ कर लें, बाहरी स्नान, सुंदर कपड़ों से हम संसार को तो अच्छे लग सकते हैं मगर परमात्मा को नहीं, क्योंकि परमात्मा हमारे मन की अवस्था को देखता है।

एक अन्य प्रसंग के अनुसार बड़े होने पर नानक देव जी को उनके पिता ने व्यापार करने के लिए 20 रु.दिए और कहा- 'इन 20 रु. से सच्चा सौदा करके आओ। नानक देवजी सौदा करने निकले। रास्ते में उन्हें साधु-संतों की मंडली मिली। नानक देव जी ने उस साधु मंडली को 20 रु.का भोजन करवा दिया और लौट आए। पिता जी ने पूछा- क्या सौदा करके आए? उन्होंने कहा- 'साधुओं को भोजन करवाया। यही तो सच्चा सौदा है।'

नानक जी ने लोगों को सदा ही नेक राह पर चलने की समझाइश दी। वे कहते थे कि कि साधु-संगत और गुरबाणी का आसरा लेना ही जिंदगी का ठीक रास्ता है। उनका कहना था कि ईश्वर मनुष्य के हृदय में बसता है, अगर हृदय में निर्दयता, नफरत, निंदा, क्रोध आदि विकार हैं तो ऐसे मैले हृदय में परमात्मा बैठने के लिए तैयार नहीं हो सकता है। अतः इन सबसे दूर रहकर परमात्मा का नाम ही हृदय में बसाया जाना चाहिए।

सिख धर्म में कार्तिक मास की पूर्णिमा को बड़े धूमधाम से गुरु नानक देव जी जयंती मनाई जाती है।गुरु नानक देव जी की मृत्यु 22 सितंबर 1539 ईस्वी को हुई थी। अपनी पूरी जिंदगी मानव समाज के कल्याण में लगाने वाले गुरु नानक देव जी ने अपनी मृत्यु से पहले अपने शिष्य भाई लहना को अपना उत्तराधिकारी बनाया, जो बाद में गुरु अंगद देव नाम से जाने गए।

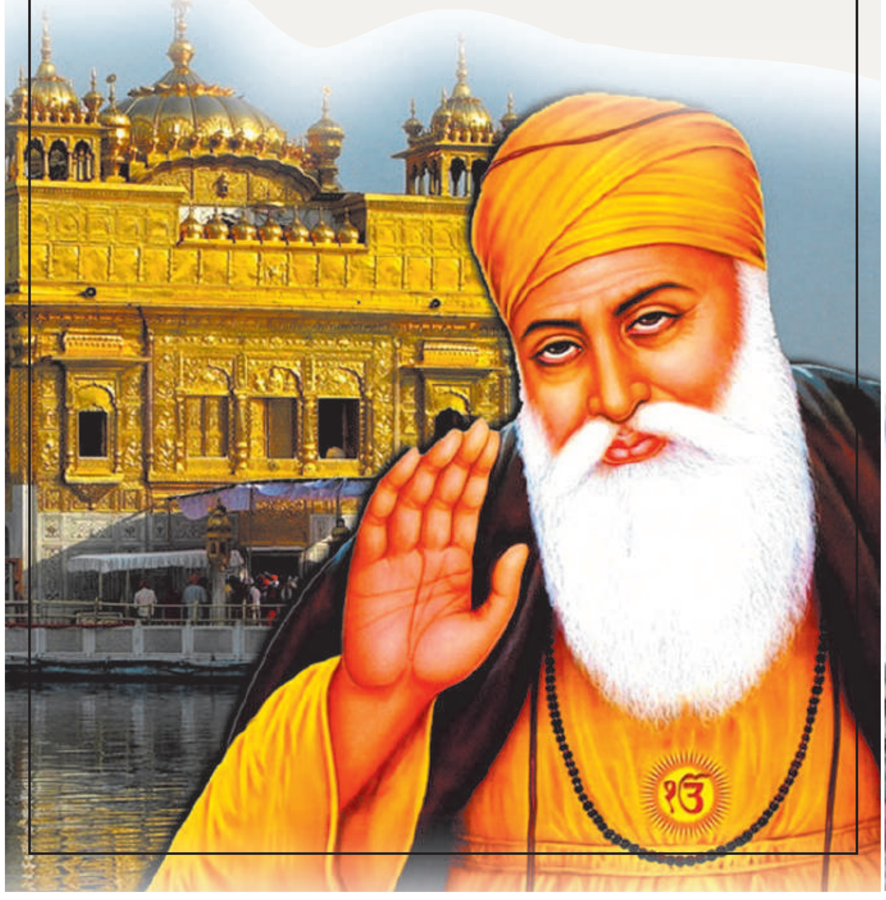

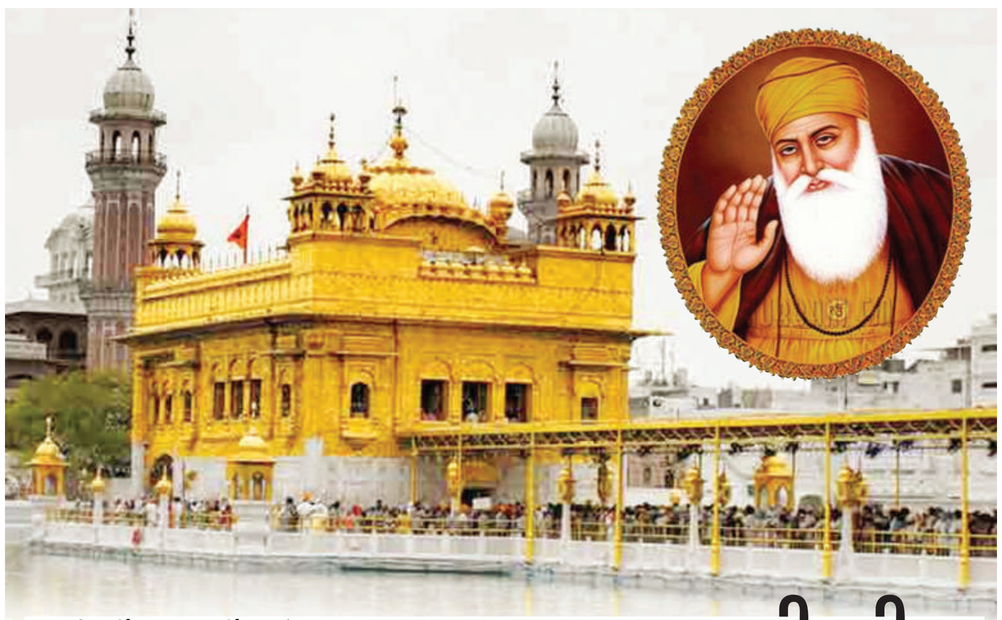

गुरु नानक की सीख सोच की दिशा बदल देगी

हर वर्ष कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा को सिख धर्म के पहले गुरु, गुरु नानक देव की जयंती मनाई जाती है। जिसे गुरु पर्व या प्रकाश पर्व भी कहा जाता है। यहां जानिए गुरु नानक देव जी के 10 अनमोल विचार -

- गुरु नानक देव कहते हैं हर मनुष्य को सबसे पहले खुद की बुराइयों और गलत आदतों पर विजय पाने की कोशिश करनी चाहिए।
- हर इंसान को हमेशा अच्छे और विनम्र सेवाभाव से अपना जीवन गुजारना चाहिए, क्योंकि अहंकार मनुष्य का सबसे बड़ा दुश्मन होता है, अतः मनुष्य को अहंकार नहीं करना चाहिए।
- गुरु नानक देव स्त्री और पुरुष में कोई फर्क नहीं समझते थे, वे कहते थे कभी भी महिलाओं का अनादर नहीं करना चाहिए।
- हमेशा तनाव मुक्त रहकर हमें अपने कर्म को निरंतर करते रहना चाहिए और हमेशा खुश रहना चाहिए।
- गुरु नानक देव जी कहते थे कि हमें हमेशा लोभ का त्याग करना चाहिए और मेहनत से अपना धन कमाकर जीवन जीना चाहिए।
- हमें जरूरतमंदों की सहायता के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए।
- सभी मनुष्यों को एक-दूसरे को प्रेम, एकता, समानता और भाईचारे का संदेश देना चाहिए। जब मन में पाप से अपवित्र हो जाए तब ईश्वर का नाम लेने रहने से वह निर्मल हो जाता है।
- गुरु नानक देव जी ने 'इक ओंकार का नारा' दिया था। वे कहते थे कि सबका पिता एक है इसलिए सभी लोगों को एक-दूसरे से प्रेम करना चाहिए।
- गुरु नानक देव जी के अनुसार भगवान एक है और वह हर जगह पर मौजूद है।
- धन को कभी भी अपने ह्रदय से लगाकर नहीं रखना चाहिए, उसका स्थान हमेशा जेब में ही होना चाहिए। तभी आप लालच और अहंकार से दूर रह पाएंगे।

गुरु नानक जयंती और नगर कीर्तन

कार्तिक पूर्णिमा के दिन सिख धर्म के संस्थापक गुरु, गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व या गुरु पर्व मनाया जाएगा। गुरु नानक देव जी का जन्म कार्तिक पूर्णिमा को पाकिस्तान में स्थित श्री ननकाना साहिब में हुआ था। गुरु नानक जयंती, गुरु पर्व या प्रकाश पर्व पर सभी गुरुद्वारों में भजन, कीर्तन, अरदास और लंगर का आयोजन किया जाता है।

इसके साथ ही प्रकाश पर्व पूरे नगर में प्रभात फेरियां निकालकर गुरु नानक देव के अनमोल वचनों को बताया जाता है। गुरु नानक जयंती के कुछ दिन पहले से ही सुबह प्रभात फेरियां निकालना आरंभ कर दी जाती। इस दौरान रास्ते में संगत भक्तों द्वारा कीर्तन करके भक्तों को निहाल किया जाता है। इस दिनों प्रतिदिन दो घरों में जाकर कीर्तन भी किया जाता है। जहां प्रभात फेरी एवं संगत का पुष्प वर्षा के द्वारा स्वागत किया जाता है, आतिशबाजी की जाती है।

इस दिन गुरुद्वारे में दीवान सजाए जाएंगे, जहां बाहर से आए कीर्तन जत्थे कीर्तन कर सभी को निहाल करते हैं। इस दिन खास तौर पर सिखों के प्रथम गुरु, गुरु नानक देव जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में विशाल नगर कीर्तन निकाला जाता है। इस दौरान पंज यानी पांच प्यारे नगर कीर्तन की अगुवाई करते हैं। श्री गुरुग्रंथ साहिब को फूलों की पालकी से सजे वाहन पर सुशोभित करके कीर्तन विभिन्न जगहों से होता हुआ गुरुद्वारे पहुंचता है।

गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व सिख समुदाय का सबसे बड़ा पर्व है। सिखों के पहले गुरु नानक देव जी की जयंती देशभर में प्रकाश पर्व के रूप में मनाई जाती है। यह पर्व समाज के हर व्यक्ति को साथ में रहने, खाने और मेहनत से कमाई करने का संदेश देता है। प्रकाश पर्व यानी मन की बुराइयों को दूर कर उसे सत्य, ईमानदारी और सेवाभाव से प्रकाशित करना।

इस अवसर पर गुरुद्वारे के सेवादार संगत को गुरु नानक देव जी के बताए रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। कहते हैं कि श्री गुरु नानक देव महान युगपुरुष थे। नानक देव जी ने अपना पूरा जीवन समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर करने में समर्पित कर दिया। ऐसे महान युगपुरुष की आज के समय में बहुत जरूरत है। भगवान एक है। एक ही गुरु है और कोई नहीं। जहां गुरु जाते हैं, वह स्थान पवित्र हो जाता है। भगवान को याद करने, मेहनत से कमाई करने और उसके बाद बांट के खाने का संदेश दुनियाभर में देने वाले ऐसे ही गुरु को सिख समुदाय उनकी जयंती पर उन्हें याद करते हुए यह दिन प्रकाश पर्व और उत्सव के रूप में मनाते हैं। एक ओर जहां गुरुद्वारों में भव्य सजावट की जाती है, वहीं गुरु का प्रसाद लंगर भी बांटा जाता है। साथ ही गुरु नानक देव जी पर आधारित पोस्टर जारी किए जाते हैं। अपनी परंपरानुसार प्रभातफेरी में शामिल स्त्री-पुरुष सफेद वस्त्र एवं केसरिया चुन्नी धारण कर गुरुवाणी का गायन करते हुए चलते हैं। सभी जत्थों का जगह-जगह पर हार-फूल से स्वागत किया जाता है। शाम को दीवान सजाकर शबद कीर्तन का कार्यक्रम भी किया जाता है। प्रकाश पर्व के दिन सुबह से ही गुरुद्वारों में धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला शुरू हो जाता है, जो देर रात तक चलता है। यह सिख समुदाय का सबसे बड़ा पर्व माना गया है।

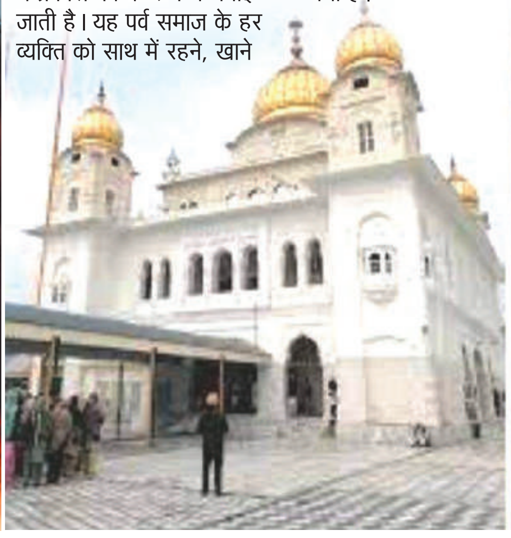

सिखों का पवित्र त्योहार है गुरु नानक जयंती

गुरु नानक जयंती सिखों का पवित्र त्योहार है। इस त्यौहार की शुरुआत पन्द्रह दिन पहले हो जाती है। गुरु नानक देव जी सिखों के पहले गुरु थे और उन्होंने श्री करतारपुर साहिब गुरुद्वारे की नींव रखी थी। गुरु नानक जी की 551वीं जयंती इस बार मनाई जा रही है।

देशभर में 27 नवंबर को गुरु नानक जयंती मनाई जाती है। इस बार गुरु नानक की 551वीं जयंती मनाई जा रही है। गुरु नानक देव जी सिखों के पहले गुरु थे। गुरु नानक देव जी ने श्री करतारपुर साहिब गुरुद्वारे की नींव रखी थी। गुरु नानक देव जी की जयंती (गुरु नानक जयंती) कार्तिक पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है। गुरु नानक के अनुयायी उन्हें नानक, नानक देव जी, बाबा नानक और ननकाशाह नाम से संबोधित करते हैं। गुरु पर्व या प्रकाश पर्व गुरु नानक देव के जन्मदिन के दिन मनाया जाता है। उनका जन्म राय भोई की तलवंडी (राय भोई दी तलवंडी) नामक स्थान पर हुआ था, जो अब पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के ननकाना साहिब में है। स्कूलों में उनके जन्मदिन के मौके पर निबंध प्रतियोगिता सहित कई अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। गुरु नानक जयंती सिखों का पवित्र त्योहार है। यह गुरु नानक देव के जन्म पर मनाया जाता है। गुरु नानक जयंती की पूर्व संध्या पर, लोग गुरुद्वारों में जाते हैं और प्रार्थना करते हैं। साथ ही सिख प्रभात फेरी नामक जुलूस निकालते हैं। इस त्यौहार की शुरुआत पन्द्रह दिन पहले हो जाती है। गुरु नानक देव के जन्म से पहले भक्तों द्वारा पाठ और अखंड किया जाता है। पाठ दो दिनों तक गुरु ग्रंथ साहिब का बिना रुके पढ़ा जाने वाला पाठ है।

गुरु नानक देव की पूर्व संध्या से पहले, जुलूस को नगर कीर्तन कहा जाता है। यह सिखों द्वारा निकाला जाता है। यह प्रत्येक सिख के लिए जीवन का एक आवश्यक दिन है। लोग गुरुद्वारों में प्रसाद तैयार करते हैं या जरूरतमंद लोगों को खाना खिलाते हैं। गुरु नानक जयंती पर वे अपने घरों को दीयों और मोमबत्तियों से भी सजाते हैं। पुरुषों के समूह विशेष रूप से सिख समुदाय से संबंध रखने वाले लोग गतका प्रदर्शन नामक कुछ मार्शल आर्ट का प्रदर्शन करते हैं। ये सिख मार्शल आर्ट पारंपरिक हथियारों का उपयोग करके प्रदर्शित किए जाते हैं। सिख लोगों और सिद्धांतों के मुताबिक अवतार का सिद्धांत सिख धर्म में शामिल नहीं है। सिक्ख धर्म में केवल गुरु की अवधारणा ही रहेगी। सिख लोगों के मुताबिक गुरु एक आध्यात्मिक आत्मा है। गुरु नानक देव को भारत और विदेशों में सभी सिखों द्वारा पूजा जाता है। गुरु नानक देव की मृत्यु 22 सितंबर, 1539 को हुई थी।

हार्दिक पांड्या को शायद लगता है कि उनका समय पूरा हो गया है और अब वापस मुंबई इंडियंस लौट जाएं : एबी डिविलियर्स

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स का मानना है कि हार्दिक पांड्या के आईपीएल 2024 रिटेंशन से पहले गुजरात टाइटन्स से मुंबई इंडियंस में जाने की अटकलें लगाई जा रही हैं, क्योंकि ऑलराउंडर को लगा होगा कि नव-निर्मित फ्रेंचाइजी में उनका समय खत्म हो गया है।

डिविलियर्स ने भविष्य में हार्दिक के मुंबई की कप्तानी करने की भी भविष्यवाणी की है, जिसमें रोहित शर्मा भारत के सभी प्रारूपों के कप्तान होने की जिम्मेदारी निभाएंगे। पिछले कुछ दिनों से, हार्दिक के मुंबई वापस जाने की अटकलें तेज हो गई हैं, जहां से उन्होंने 2015 में अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी।

एक अनकैप्ड खिलाड़ी से, हार्दिक एक तेज़ गेंदबाज़ी ऑलराउंडर के रूप में मुंबई टीम के महत्वपूर्ण सदस्य बन गए, सभी प्रारूपों में इंडिया कैप अर्जित की और 2015, 2017, 2019 और 2020 में उनके आईपीएल खिताब जीतने वाले सीज़न के सदस्य थे। आईपीएल 2022 की मेगा नीलामी से पहले मुंबई ने उन्हें रिलीज़ कर दिया और वह गुजरात फ्रेंचाइजी के कप्तान बन गए, जिससे उन्हें 2022 में अपने पहले सीज़न में खिताब मिला, राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच बने और 2023 में उन्हें उपविजेता बनाया। मुझे नहीं पता कि इससे उन्हें थोड़ा सिरदर्द होगा कि कप्तान कौन बनेगा। मेरा मतलब है, रोहित कप्तान हैं और उन्हें आगे बढ़कर नेतृत्व करना पसंद है। यह रोमांचक है क्योंकि वह (हार्दिक) कई वर्षों तक मुंबई इंडियंस के लिए एक बड़ा खिलाड़ी था। उन्हें वानखेड़े स्टेडियम में खेलना पसंद था। उन्होंने गुजरात टाइटंस के साथ ट्रॉफी जीती और फिर (2023 सीज़न के) फाइनल में भी पहुंचे।

डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, उन्हें शायद लगता है कि उनका समय पूरा हो गया है और अब वह मुंबई इंडियंस में वापस आ गए हैं। मुझे अजीब लग रहा है कि रोहित उन्हें (हार्दिक को) कप्तानी करने देंगे और बागडोर अपने हाथ में लेने देंगे, क्योंकि रोहित पर टीम इंडिया की कप्तानी करने का बहुत दबाव है। शायद यही कदम होगा, लेकिन देखते हैं क्या होता है।

डिविलियर्स, जिन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए तूफानी 360-डिग्री पारी खेलने की आईपीएल विरासत को मजबूत किया, को लगता है कि उनकी पूर्व टीम, एंडी फ्लावर के रूप में एक नए मुख्य कोच के साथ, तेज गेंदबाज हर्षल पटेल और लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा को जाने दे सकती है। प्रत्येक को 10.75 करोड़ रुपये की लागत पर फ्रेंचाइजी में शामिल किया गया था।

आरसीबी ने उनके (हर्षल और हसरंगा) के लिए एकमुश्त राशि का भुगतान किया है और शायद वे कहीं और शिफ्ट होने का मन बना रहे हैं। उन्हें रिलीज करने से उनके लिए एक बड़ा पर्स खुल जाएगा। यहीं पर स्काउटिंग आएगी और मुट्ठी भर खिलाड़ियों को देखेगी। उन्होंने आगे कहा, वे नीलामी में वापस भी जा सकते हैं और उन दोनों को खरीद सकते हैं, लेकिन इसका उल्टा असर भी हो सकता है और हर्षल को थोड़ी अधिक कीमत पर खरीदना पड़ सकता है। लंबी कहानी को संक्षेप में कहें तो, ऐसा लगता है कि मिस्टर फ्लावर ने सेट-अप में कुछ योजनाएँ बनाई हैं और यह उनमें से एक लगती है।

मेहुली, अभिनव, सरबजोत, पलक ने शूटिंग नेशनल में जीत हासिल की

नई दिल्ली/भोपाल, एजेंसी। विभिन्न शहरों में चल रही 66वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप प्रतियोगिता (एनएससीसी) में आज मिश्रित टीम दिवस था। नई दिल्ली के कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में, जहां राइफल स्पर्धाएं हो रही हैं, पश्चिम बंगाल की मेहुली घोष और अभिनव शॉ ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम का खिताब जीता, जबकि पिस्टल स्पर्धाओं की मेजबानी करने वाले भोपाल स्थित एमपी राज्य शूटिंग अकादमी रेंज में, सरबजोत सिंह और पलक ने हरियाणा के लिए मिश्रित टीम एयर पिस्टल का ताज जीता।

मेहुली और अभिनव अपने स्वर्ण पदक मैच में डेरियस सौरास्त्री और तिलोत्तमा सेन की कर्नाटक जोड़ी पर 16-6 से विजेता रहे। बंगाल की जोड़ी ने 27-टीम क्वालिफिकेशन राउंड में 633 के संयुक्त स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था, जबकि कर्नाटक की जोड़ी 631.3 के साथ दूसरे स्थान पर रही थी। तमिलनाडु के आर.नर्मदा और कार्तिक सबरी राज ने कांस्य पदक जीता

।भोपाल में, सरबजोत और पलक को फाइनल में कड़ा मुकाबला करना पड़ा और उन्होंने राजस्थान की अंजलि और अभिनव चौधरी को 16-14 से हराया। इसके बाद वे 576 के स्कोर के साथ राजस्थान की जोड़ी के बाद दूसरे स्थान पर रहे। अंजलि और अभिनव ने 578 के साथ क्वालीफायर में शीर्ष स्थान हासिल किया था। एसएसबी के विक्रम और योगिता कांस्य पदक के विजेता थे।

आरसीबी से खेलेगा वीरेंद्र सहवाग का भांजा

नईदिल्ली, एजेंसी। बाएं हाथ के स्पिनर शाहबाज अहमद को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की 'ट्रेडिंग' में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) से सनराइजर्स हैदराबाद से जोड़ा गया है। सनराइजर्स ने उनके बदले मयंक डागर को आरसीबी को सौंपा है। आईपीएल के रविवार को जारी बयान में कहा गया है कि शाहबाज को उनकी मौजूदा कीमत पर ही सनराइजर्स से जोड़ा गया है।

शाहबाज की जगह मयंक पहुंचे आरसीबी बयान के अनुसार,''शाहबाज ने अभी तक आईपीएल में 39 मैच खेल कर 14 विकेट लिए हैं जिनमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सात रन देकर तीन विकेट हासिल करना है। वह 2020 से आरसीबी की तरफ से खेल रहे थे लेकिन उन्हें अब मौजूदा कीमत पर ही सनराइजर्स से जोड़ दिया गया है।'' मयंक डागर अपनी मौजूदा कीमत पर आरसीबी से जुड़ेंगे। यह ऑलराउंडर इससे पहले किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) की तरफ से भी खेल चुका है। उन्होंने आईपीएल 2023 में तीन मैच में एक विकेट लिया था।

कोहली से ज्यादा फिट हैं मयंक

मयंक डागर भारत के विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के भांजे हैं। अब वह विराट कोहली की आरसीबी की जर्सी में नजर आएंगे। टीम के अलावा मयंक और विराट में एक और चीज कॉमन है। वह है फिटनेस। मयंक भी कोहली की तरह अपनी फिटनेस पर काफी ध्यान देते हैं। अगर यो-यो टेस्ट की बात करें तो मयंक कोहली से भी आगे हैं। मयंक डागर ने खुद इंस्टाग्राम पर स्टोरी डालकर यह बताया था कि उनका यो-यो टेस्ट का स्कोर 19.3 है। वहीं विराट कोहली का बेस्ट यो-यो स्कोर 19.0 है।

सात्विक-चिराग चाइना मास्टर्स के फाइनल में

शेनझेन, एजेंसी। भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने चीन मास्टर्स 2023 के सेमीफाइनल में घरेलू पसंदीदा हे जी टिंग/रेन जियांग यू को शनिवार को 21-16, 22-20 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। वे इस साल बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर अपना चौथा फाइनल खेलेंगे, इससे पहले उन्होंने इस साल की शुरुआत में स्विस ओपन 2023, इंडोनेशिया ओपन 2023 और कोरिया ओपन 2023 में तीनों में जीत हासिल की थी। रविवार को फाइनल में सात्विक-चिराग का सामना चीन के चेन बो यांग/लियू यी और लियांग वेई केंग/वांग चांग के बीच विजेता से होगा।

नौ साल बाद डबल्यूडब्ल्यू मेंलौटे सीएम पंक, सरवाइवर सीरीज में की वापसी, ट्रिपल एच ने इस तरह कराई खुफिया एंट्री

शिकागो, एजेंसी।

काफी समय से इस बात की चर्चा थी कि पंक इस शो से डबल्यूडब्ल्यू में वापसी कर सकते हैं। हालांकि, सोशल मीडिया पर दो बातें चल रही थीं कि वह वापसी करेंगे और नहीं भी कर सकते हैं। हालांकि, नौ साल बाद उनकी वापसी ने दुनियाभर के फैंस में खुशी की लहर ला दी है। सोशल मीडिया पर काफी प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं। वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट में सीएम पंक की वापसी हो चुकी है।

रविवार को सरवाइवर सीरीज में रेसलर पंक ने वापसी की। उनकी नौ साल बाद डब्ल्यूडब्ल्यूई में वापसी हुई है। इस शो में पिछला मैच उन्होंने जनवरी 2014 में रॉयल रंबल में खेला था। उसके बाद डब्ल्यूडब्ल्यूई से खराब रिश्ते के कारण उन्होंने इस शो को तत्काल छोड़ दिया था और फिर कंपनी के सीओओ ट्रिपल एच और विंस मैकमेहन के बारे बयानबाजी की थी। तब ऐसा लगा था कि सीएम पंक इस कंपनी के साथ दोबारा नहीं जुड़ेंगे। हालांकि, नौ साल बाद अब उन्होंने वापसी की है। कंपनी के सीओओ ट्रिपल एच ने उनकी वापसी के लिए खुफिया प्लान बनाया था, जिसके बारे में किसी को पता नहीं था। दरअसल, इस बार का सरवाइवर सीरीज शिकागो में आयोजित हुआ।

सरवाइवर सीरीज वॉर गेम्स के मेन इवेंट में से एक है, जिसमें टॉप क्लास के रेसलिंग मुकाबले खेले जाते हैं। काफी समय से इस बात की चर्चा थी कि पंक इस शो से डबल्यूडब्ल्यू में वापसी कर सकते हैं। हालांकि, सोशल मीडिया पर दो बातें चल रही थीं कि वह वापसी करेंगे और नहीं भी कर सकते हैं। सरवाइवर सीरीज में जब जजमेंट डे के साथ कोडी रोड्स की टीम का मुकाबला हुआ तो एक और वापसी हुई। रैंडी ओर्टन ने भी इस शो से डब्ल्यूडब्ल्यूई में वापसी की और कोडी रोड्स की टीम को जजमेंट डे की टीम पर जीत दिलाई।

यह आखिरी मैच था और लग रहा था कि सीएम पंक वापसी नहीं करेंगे। मैच खत्म होते ही पंक का एंट्री सॉन्ग बजा और शिकागो में उस अरेना में मौजूद फैंस खुशी से झूम उठे। पूरे अरेना सीएम पंक..सीएम पंक की गुंज से भर उठा। शिकागो सीएम पंक का होम टाउन है और अपने फैंस के बीच वापसी से बेहतर उनके लिए कुछ भी नहीं हो सकता था। तभी पंक की एंट्री हुई और यहीं पर शो को खत्म कर दिया गया। हालांकि, मैच के बाद सेथ रॉलिन्स का एक वीडियो भी सामने आ रहा है, जिसमें वह पंक की एंट्री के बाद उनके सामने उन्हें अपशब्द कहते हुए दिख रहे हैं। ऐसे में आगे चलकर पंक और रॉलिन्स की लड़ाई देखने को मिल सकती है। दोनों के बीच पहले भी कुछ ठीक नहीं रहा है और दोनों एकदूसरे के खिलाफ बयानबाजी करते रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ट्रिपल एच ने इसको लेकर खुफिया प्लान बनाया था और पंक की वापसी की जानकारी किसी के पास नहीं थी।

सीएम पंक ने अपने करीबी में कम से कम एक व्यक्ति को बताया था कि उन्होंने पिछले हफ्ते ट्रिपल एच के साथ एक घंटे लंबी बातचीत की थी। डब्ल्यूडब्ल्यूई स्टाफ, प्रतिनिधि, क्रिएटिव को कोई जानकारी नहीं थी कि वह वापसी करने वाले हैं। वह डब्ल्यूडब्ल्यूई अरेना में आने के बाद सामने से एंट्री करने की बजाय पीछे के रास्ते से आए। उनके लिए उस जगह को पहले ही खाली कराया गया था।

सीरियल किसर के टैग से छुटकारा पाना चाहते हैं इमरान हाशमी

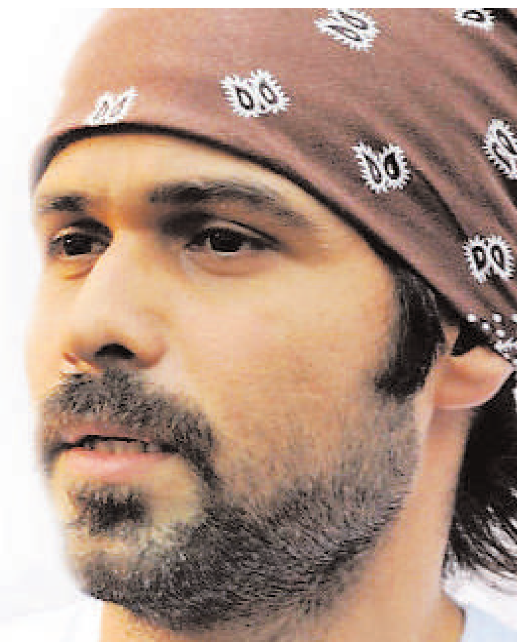

बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी इन दिनों सलमान खान की फिल्म टाइगर 3 में नकारात्मक किरदार निभाने के लिए तारीफ बटोर रहे हैं। दमदार अभिनय के लिए इमरान को फैंस से सराहना मिल रही है। वहीं, इस बीच अभिनेता ने इंडस्ट्री में अपनी पुरानी और अब की खलनायक की छवि के बारे में बात की। दरअसल, इमरान को बॉलीवुड का सीरियल किसर कहा जाता है, ऐसा इसलिए क्योंकि उन्होंने अपने किसिंग सीन के जरिए इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई। मर्डर, घनचक्कर, गैंगस्टर में उन्होंने अपने किसिंग सीन के जरिए खूब सुर्खियां बटोरीं। इसके बाद उन्हें बॉलीवुड के सीरियल किसर का टैग मिल गया। हालांकि, अब अभिनेता उस छवि से छुटकारा पाना चाहते हैं। इसका खुलासा अभिनेता ने हाल ही में दिए साक्षात्कार में किया। उन्होंने खुलासा किया है कि वे अब सीरियल किसर के टैग को हटाना चाहते हैं। इमरान हाशमी ने कहा, सभी अभिनेताओं के लिए यह एक जाल है कि जहां यदि आप एक व्यावसायिक भूमिका निभा रहे हैं तो आप किरदाओं की मांग में फंस जाएंगे। ऐसे ही यह इस जाल में था, चाहे आप इसे सीरियल किसर कहें या कुछ और, लेकिन यह एक बेतुका नाम था। यह वास्तव में मैंने खुद को एक मजाक के रूप में दिया था, लेकिन किसी कारण से लोगों के बीच मशहूर हो गया। यह पत्रकारों और दर्शकों को पसंद आया और ऐसा नहीं है कि मुझे इससे कोई फायदा नहीं हुआ। इस वजह से मेरी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर वास्तव में अच्छा प्रदर्शन कर रही थीं। इमरान हाशमी ने इस बारे में बात करते हुए आगे कहा, एक समय मुझे लगा कि इसने अपनी भूमिका निभा दी है और इससे पहले कि इसका ट्रेंड खत्म हो जाए, उससे ही पहले मैं आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा था। आप लोगों को एक ही तरह का खाना बार-बार नहीं परोस सकते हैं। आपको कुछ अलग करना होगा। इमरान हाशमी हाल ही में सलमान खान की फिल्म टाइगर 3 में अपनी भूमिका के माध्यम से वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में शामिल हुए। हाल ही में अभिनेता ने खलनायक की भूमिका निभाने के बारे में भी बात की थी। उन्होंने कहा था कि जब उन्हें यह भूमिका मिली तो उन्होंने इसे ठुकराने पर विचार किया था, लेकिन बाद में वे इसे करने के लिए राजी हो गए। वहीं बात करें इमरान हाशमी की आने वाली फिल्मों के बारे में तो टाइगर 3 के बाद अब अभिनेता द लास्ट राइड, ग्राउंड जीरो, सब फर्स्ट क्लास और फादर्स डे के साथ पवन कल्याण की तेलुगु फिल्म ओजी में खलनायक की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। इसके अलावा, इमरान शोटाइम नाम की एक वेब सीरीज में भी दिखाई देंगे।

बदतमीज दिल सॉन्ग हर जगह मेरा पीछा करता है

बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर और बॉबी देओल का 2013 की फिल्म ये जवानी है दीवानी के गाने बदतमीज दिल पर डांस सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। मुंबई में एनिमल के म्यूजिक लॉन्च के दौरान दोनों को बदतमीज दिल का हुकस्टेप करते देखा गया। जैसे ही ट्रैक रुका, रणबीर को यह कहते हुए सुना गया, मैं आप लोगों को एक बात बता दूं ये गाना 2013 में रिलीज हुआ था। पर मैं जहां भी जाता हूं ये गाना मेरे पीछे आता है। मैं अभी 41 साल का हूं, मेरे से नहीं होता है अभी ये सब। मेरे बैक टूट जाती है। मैं सब इवेंट मैनेजर्स से आज ये कह रहा हूं प्लीज ये गाना मत बजवाना। कोई स्लो गाना बजवाना। रणबीर को बॉबी, काजोल और मनीषा कोइराला अभिनीत 1997 की फिल्म गुप्त – द हिडन ट्रुथ के गाने दुनिया हसीनों का मेला का हुकस्टेप करने की कोशिश करते देखा गया। एनिमल में रश्मिका मंदाना भी हैं। इसका निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा ने किया है।

फैन क्लबों पर भड़कीं परिणीति

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा एक्टिंग के अलावा अपनी बेबाकी के लिए भी मशहूर हैं। हाल ही में वे फैन क्लबों पर नाराज नजर आईं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक सख्त संदेश में अपने फायदे के लिए अन्य कलाकारों की प्रशंसा करने वाले फर्जी उद्धरण डालने को लेकर चेतावनी दी है। परिणीति ने शनिवार को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर लिखा, मैं देख रही हूं कि फैन क्लब मेरे नाम का इस्तेमाल करते हुए अपने कलाकारों के पक्ष में उद्धरण दे रहे हैं। ये फर्जी हैं। मैंने किसी के बारे में कोई साक्षात्कार/उद्धरण नहीं दिया है। ना ही उन्हें बधाई दी है या उनकी सराहना की है। उन्होंने कहा कि मैंने ये सब देखा है और इसके खिलाफ रिपोर्ट करूंगी। पहले अपने तथ्य जांच लें। थोड़ा सा गूगल करने से किसी को कोई नुकसान नहीं होता। अभिनेत्री की इन बातों से यह साफ हो गया है कि वे उपरोक्त फैन क्लबों के खिलाफ कार्रवाई करने का मन बना चुकी हैं। बता दें कि हाल ही में परिणीति एक इवेंट में रैंप वॉक करती नजर आई थीं। शनिवार को वे इस कार्यक्रम में भारी बॉर्डर की कढ़ाई वाली एक आइवरी साड़ी पहने और सिन्दूर और गुलाबी चूड़ियों में दिखी थीं। गौरतलब है कि परिणीति और राघव चड्ढा ने 24 सितंबर को राजस्थान के उदयपुर के लीला पैलेस होटल में करीबी दोस्तों और परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में शादी की थी।

गुलमोहर की सफलता से बेहद खुश हैं मनोज

अभिनेता मनोज बाजपेयी का कहना है कि यह साल उनके लिए बेहद खास रहा है। इसकी वजह है इस साल आई उनकी दो फिल्में। ये फिल्में हैं गुलमोहर और सिर्फ एक बंदा काफी है। बता दें कि अभिनेता की ये दोनों फिल्में इस साल ओटीटी पर रिलीज हुईं और बेहद पसंद की गईं। मनोज बाजपेयी ने गोवा में चल रहे 54वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में इन फिल्मों पर बात की। फिल्म फेस्टिवल में मनोज बाजपेयी ने कहा, गुलमोहर और सिर्फ एक बंदा काफी है, दोनों खूब पसंद की गईं। एक्टर ने कहा, मेरे लिए काफी अच्छा साल रहा है ये, जहां सिर्फ एक बंदा ने ओटीटी पर सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं और गुलमोहर ने भी दर्शकों के बीच बेहद उत्साह जगाया। यह पारिवारिक फिल्म है, जिसमें पारिवारिक जटिलताओं को दिखाया गया है। अभिनेता ने आगे कहा, मुझे वास्तव में खुशी हुई कि लोगों ने न केवल मेरे किरदार को, बल्कि इस फिल्म में दिखाए गए परिवार के प्रत्येक सदस्य को भी समझा, जो अपनी परेशानियों और अपने संघर्षों से जूझ रहे हैं। बता दें कि सिर्फ एक बंदा काफी है इस साल जी5 पर रिलीज हुई।

सलमान खान अपने काम के लिए जीते हैं

एक्ट्रेस कैटरीना कैफ ने टाइगर 3 के अपने पार्टनर सलमान खान की जमकर तारीफ की और कहा कि वह अपने काम के लिए जीते हैं और सेट पर शानदार हैं।

कैटरीना से पूछा कि सलमान सेट पर सीरियस रहते हैं या मजाक-मस्ती करते हैं। इस पर एक्ट्रेस ने जवाब दिया, सलमान सेट पर शानदार हैं। आप जानते हैं कि सलमान के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि वह खुद को या किसी भी बात को ज्यादा गंभीरता से नहीं लेते हैं। वह अपने काम के लिए जीते हैं और बहुत उदार इंसान भी हैं। मुझे लगता है कि उनका यह कॉम्बिनेशन आस-पास के सभी लोगों के लिए बहुत मनोरंजक है। कैटरीना और सलमान अक्सर एक साथ स्क्रीन शेयर करते रहे हैं। उन्होंने मैंने प्यार क्यों किया?, पार्टनर, हैलो, युवराज, टाइगर फ्रेंचाइजी और भारत जैसी फिल्मों में काम किया है। वह कहती हैं कि जब सलमान आसपास होते हैं तो सेट पर हर कोई मुस्कुरा रहा होता है। उन्होंने कहा, जब वह आसपास होते हैं तो क्रू टीम हमेशा मुस्कुराती रहती है और मुझे लगता है कि अब वह टाइगर के कैरेक्टर से बहुत अधिक जुड़ गए हैं, वह दुनिया को जानते हैं और सीन खुद क्रिएट करते है। हमने एक साथ बहुत अच्छा समय बिताया, खासकर जब हम टाइगर की फिल्मों में थे। उन्होंने आगे कहा, हम एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं। मुझे लगता है कि यह स्क्रीन पर दिखता है और इससे शानदार केमिस्ट्री बनती है।

एक्यूआई फिर बेहद खराब के पार, दिल्ली वालों को जल्द प्रदूषण से मिल सकती है राहत

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में इस माह नौ बार प्रदूषण गंभीर श्रेणी में जा चुका है। शुक्रवार को भी यह गंभीर श्रेणी में चला गया था। सबसे अधिक प्रदूषण सोनिया विहार में रहा, जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक 430 दर्ज किया गया। सबसे कम प्रदूषित क्षेत्र दिलशाद गार्डन रहा, जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक 269 दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने सोमवार को हल्की बूंदाबांदी की संभावना जताई है। इससे प्रदूषण में मामूली कमी आने की संभावना है।

प्रदूषण की चपेट में बेजुबान – दिल्ली–एनसीआर में अब भी प्रदूषण का स्तर कई इलाकों में 300 से 400 के बीच है। विशेषज्ञ बताते हैं कि प्रदूषण के कारण पक्षी कोराइजा नामक बीमारी की चपेट में आ रहे हैं। कोराइजा बीमारी पक्षियों की आंखें चिपक जाती हैं। साथ ही पक्षियों के फेफड़े काफी छोटे होने के कारण उन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही है। दिल्ली की फिजा हुई जहरीली, दमघोंटू हवा से 6 दिन राहत के आसार नहीं।

सामान्य से कम होने लगा रात का तापमान – दिल्ली में सोमवार को हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। रविवार को आसमान में हल्के बादल और स्मॉग छाए रहने का अनुमान है। मौसम विभाग का मानना है कि अगले कुछ दिन सुबह के समय हल्का कोहरा छाया रहेगा। 30 दिसंबर के बाद दिल्ली का न्यूनतम तापमान गिरना शुरू होगा। शनिवार को अधिकतम तापमान 25.9 दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री कम है। न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 10.2 डिग्री रहा।

लाहौर में कृत्रिम बारिश कराने की योजना – पाकिस्तान भी प्रदूषण से जूझ रहा है। इसे देखते हुए पंजाब सरकार ने वायु प्रदूषण कम करने के लिए लाहौर में चीन की मदद से कृत्रिम बारिश (क्लाउड सीडिंग) का प्रयोग करने की योजना बनाई है। इस परियोजना पर 35 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। यहां की कई खबरों में यह जानकारी दी गई है।

सबसे बड़े टैंक वाली एंटी स्मॉग गन तैनात– नई दिल्ली क्षेत्र में प्रदूषण कम करने के लिए नई दिल्ली नगर पालिका परिषद ने सबसे बड़े टैंक क्षमता वाली एंटी स्मॉग गन तैनात की है। इसमें 17 हजार लीटर पानी भरा जा सकता है। इसके माध्यम से नई दिल्ली में पानी का छिड़काव किया जाएगा। एनडीएमसी अधिकारियों के अनुसार, सबसे बड़ी क्षमता वाली एंटी स्मॉग गन को उन्होंने अपने बेड़े में शामिल किया है। यह गाड़ी दिनभर नई दिल्ली के विभिन्न इलाकों में धूल प्रदूषण को रोकने के लिए काम करेगी। फुटपाथ, झाड़ियां और पौधों पर छिड़काव करने के लिए इसके साइड नोजल के साथ 30 से 50 मीटर तक पानी फेंकने की क्षमता रखी गई है।

दिल्ली मेट्रो में लड़की अचानक पढ़ने लगी नमाज, देखकर चौंक गए लोग

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली मेट्रो में कभी रोमांस के तो कभी गाने और नाचने के वीडियो सामने आते रहते हैं। डीएमआरसी इसे रोकने के लिए गाइडलाइन भी जारी करता रहता है। लेकिन इस तरह की घटनाएं रुक नहीं रही हैं। अब दिल्ली मेट्रो में एक लड़की के नमाज पढ़ने का वीडियो भी वायरल हो रहा है। दिल्ली मेट्रों मेट्रो में सफर करने के दौरान लड़की का नमाज पढ़ते हुए वीडियो सामने आया है। अभी तक इस वीडियो को लेकर दिल्ली मेट्रो की तरफ से कोई रिएक्शन नहीं आया है।

वायरल वीडियो के अनुसार, दिल्ली मेट्रो में एक लड़की सफर कर रही है। सफर करने के दौरान लड़की सीट पर बैठकर अचानक नमाज पढ़ने लगती है। लड़की को अचानक नमाज की अवस्था में देखकर आसपास बैठे लोग चौंक जाते हैं। लड़की नमाज पढ़ रही होती है और आसपास बैठे लोग उसे देख रहे हैं। लड़की के नमाज पढ़ने के दौरान किसी ने उसका वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। वीडियो रिकॉर्ड करने के बाद उसे सोशल मीडिया पर भी शेयर कर दिया है। दिल्ली मेट्रो में किसिंग और रोमांस के कई वीडियो सामने आ चुके हैं। इस दौरान दिल्ली मेट्रो के अंदर कपल्स के रोमांस करने के अलावा गिटार बजाने और गाने का वीडियो भी सामने आ चुका है। इस तरह के कई वीडियोज सामने आ चुके हैं। वीडियो सामने आने के बाद दिल्ली मेट्रो रेल कार्पोरेशन ऐसे लोगों पर कार्रवाई करने की बात भी कह चुका है। हालांकि, अभी तक किसी पर कार्रवाई का मामला सामने नहीं आया है।

मेट्रो में क्यों बनाते हैं रील्स– दिल्ली मेट्रो में रील्स बनाने का एक बड़ा कारण है, वायरल होने की चाहत। आजकल लोग वायरल होने के लिए ऐसे सार्वजनिक जगहों पर रील्स बना रहे हैं। ऐसे वीडियोज लोगों को खूब पसंद भी आते हैं। हालांकि, इस तरह का वीडियो सार्वजनिक जगह पर बनाने के दौरान आसपास मौजूद लोग कई बार असहज हो जाते हैं। इस तरह के वीडियोज पर व्यूज और लाइक्स भी खूब आते हैं। बता दें कि दिल्ली मेट्रो में कपल रोमांस, डांस और गाने के वीडियोज सबसे ज्यादा सामने आते हैं।

हवाई यात्रा करने वालों के लिए राहत, दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 से भी उड़ेंगे घरेलू विमान

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर विमानों के परिचालन में अगले वर्ष से बड़ा बदलाव होने जा रहा है। टर्मिनल-2 पर कुछ अंतरराष्ट्रीय विमानों को अस्थायी तौर पर शिफ्ट करने की तैयारी है, क्योंकि टर्मिनल-1 फरवरी के अंत में शुरू होने जा रहा है। इसके बाद घरेलू उड़ानें टर्मिनल-2 से एक में शिफ्ट कर दी जाएंगी। इसमें इंडिगो एवं स्पाइसजेट के विमान शामिल होने की उम्मीद है। एयरपोर्ट का संचालन करने वाली कंपनी डायल के सूत्रों ने बताया कि एयरपोर्ट पर बेहतरीन व्यवस्था के लिए टी-1 का पुनर्विकास किया जा रहा है। यह कार्य जनवरी तक होने की संभावना है। इसके बाद टी-2 से चलने वाली घरेलू उड़ानें टी-1 पर शिफ्ट कर दी जाएंगी। फरवरी के अंत तक यहां से यात्रियों की आवाजाही शुरू हो सकती है। वहीं, टी-2 पर कुछ अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को टी-3 से शिफ्ट किया जाएगा।

दिल्ली में 25 लाख से ज्यादा प्रॉपर्टी टैक्स बकायेदारों पर तगड़े ऐक्शन की तैयारी, एमसीडी करेगी केस

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम ने 25 लाख रुपये से अधिक के संपत्ति कर बकायेदारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करेगा। निगम ने सभी संपत्ति कर दाताओं से अपील की है कि वह निगम की वेबसाइट में अपने डाटा को जांच लें। डाटा मौजूद न होने की स्थिति में 31 दिसंबर 2023 तक विशिष्ट संपत्ति पहचान कोड (यूपीआईसी) आईडी बनवा लें। यूपीआईसी आईडी के जरिए संपत्ति करदाता की संपत्ति से जुड़े कर के बारे में व अन्य जानकारी मिलती हैं।

जुर्माना लगाने का प्रावधान– इस आईडी के होने से संपत्ति से जुड़ी सभी सूचना निगम की वेबसाइट पर मौजूद होती हैं। निगम के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि निगम के नियम अनुसार 25 लाख से अधिक राशि के बकाया संपत्ति कर का भुगतान न करने के खिलाफ जुर्माना लगाने का प्रावधान है। ऐसी स्थिति में में 3 माह से 7 साल की जेल का सख्त कारावास की सजा हो सकती है। साथ ही बकाया संपत्ति कर के 50 फीसदी जुर्माने को लगाने का भी प्रावधान है।

संपत्ति कर जमा नहीं करने वालों की पहचान– बीते 3 से 4 वर्षों में काफी समय से अपना संपत्ति कर न जमा कराने वालों की पहचान की गई है। साथ ही यूपीआईसी आईडी बनवाने के लिए 31 दिसंबर 2023 तक की अंतिम तिथि है। अपना सही संपत्ति कर न भरने की सूरत में निगम के नियम के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि लोगों से अपील की गई है कि वो अपना संपत्ति कर से संबंधित डाटा जांचें। इसके आधार पर अपने बकाया संपत्ति कर का भुगतान सुनिश्चित करें।

ऐसा किया जाता है बकायेदारों की पहचान– निगम के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि निगम ने थर्ड पार्टी डाटा जैसे भवनों की रजिस्ट्री,बिजली बिल, जीएसटी पंजीकरण, लाइसेंसिंग पंजीकरण डाटा से तैयार डेटाबेस से निगम के पास मौजूद संपत्ति कर डाटा बेस का मिलान करता है। इन सभी संपत्ति कर बकायेदारों से अपील की गई है की वो जल्द से जल्द अपना यूपीआईसी आईडी बनवा कर संपत्ति कर का भुगतान कर दें। ऐसा न करने पर बकायेदारों के खिलाफ न्यायालयों में अभियोजन दायर किया जाएगा।

नए संपत्ति करदाताओं को भी जोड़ रहा निगम– निगम के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दिल्ली में ज्यादा से ज्यादा लोगों को तय समय के अंदर संपत्ति कर जमा कराने के लिए जागरूक कर रहे हैं। इसके मद्देनजर, निगम नए संपत्ति करदाताओं को भी जोड़ रहा है।

राजस्व बढ़ाने पर है जोर– साथ ही इस वित्तीय वर्ष संपत्ति कर से राजस्व बढ़ाने पर भी जोर दिया जा रहा है। निगम को उम्मीद है कि इस वर्ष तीन हजार करोड़ रुपये या इससे अधिक तक संपत्ति कर से राजस्व प्राप्त करें। अभी तक 1500 करोड़ रुपये से अधिक संपत्ति कर का भुगतान किया जा चुका है। निगम को दिल्ली भर से लगभग 12 लाख संपत्तियों द्वारा संपत्ति कर का भुगतान किया जाता है। जिनमें तीन लाख व्यावसायिक संपत्तियां हैं। वहीं, संपत्ति करदाताओं की संख्या को लगातार बढ़ाने पर भी जोर दिया जा रहा है।

अरविंद केजरीवाल का ऐलान- जहां भी आप की सरकार बनेगी, वहीं शुरू करेंगे दिल्ली वाला काम

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि जनता के आशीर्वाद से जिस भी राज्य में आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार बनेगी, वहां बुजुर्गों के लिए तीर्थ यात्रा योजना की शुरुआत की जाएगी। दिल्ली की तरह अब पंजाब में भी 27 नवंबर से इस योजना की शुरुआत हो रही है।

दिल्ली के बुजुर्गों के लेकर 83वीं ट्रेन द्वारकाधीश रवाना होने के अवसर पर त्यागराज स्टेडियम में आयोजित भजन संध्या कार्यक्रम में केजरीवाल ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि बड़ी-बड़ी पार्टियों के पास अरबों रुपये हैं तो हमारे पास लोगों का आशीर्वाद है। इसी आशीर्वाद से हम उन पार्टियों को हराते हैं और जनता का यही आशीर्वाद और सहयोग उन सभी पार्टियों से हमने बड़ी ताकत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के बुजुर्गों को लेकर ट्रेन लगभग हर सप्ताह तीर्थयात्रा पर जा रही है। आज ट्रेन 780 तीर्थयात्रियों को लेकर जा रही है। इससे पहले अभी तक 82 ट्रेन यात्रियों को लेकर तीर्थ यात्रा पर जा चुकी हैं। लगभग 80 हजार लोग अभी तक तीर्थयात्रा करके आ चुके हैं। मेरी कोशिश रहती है कि जब भी कोई ट्रेन हमारे बुजुर्गों को लेकर तीर्थ यात्रा पर जाए तो उनको विदा करने के लिए उनसे मिलने जरूरत आऊं, इसलिए आज भी मैं आप लोगों से मिलने के लिए चला आया। अक्सर तीर्थयात्रा में महिलाएं ज्यादा होती हैं। इसका एक कारण यह भी है कि हमारे समाज में आदमी काम के सिलसिले में घूम आते हैं, लेकिन महिलाओं को मौका नहीं मिलता है। उनकी पूरी जिंदगी परिवार के लालन-पालन में गुजर जाती है।

योजना से महिलाओं को तीर्थयात्रा पर जाने का मौका मिल जाता है और जब मोहल्ले की कई सारी महिलाएं इकट्ठी हो जाती हैं तो यात्रा में उनका मन भी लग जाता है। आप सबकी यात्रा भजन कीर्तन कीर्तन करते हुए बीत जाएगा। आपको यह यात्रा पूरी जिंदगी याद रहेगी।

तेल-गैस के भंडार के बाद भी पाकिस्तान बदहाल

आतंकी हमलों का खौफ, 10 विदेशी तेल कंपनियां पाक से गईं

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान की बदहाल सुरक्षा व्यवस्था के चलते अब उसके बड़े-बड़े हिमायती साथ छोड़ने लगे हैं। पाकिस्तान की आंतरिक अशांति, आतंकी हमलों के खौफ ने कारोबारी माहौल बिगाड़ दिया है।

तेल और गैस उत्खनन करने वालीं 10 से ज्यादा इंटरनेशनल कंपनियों ने अपना कारोबार समेट लिया है। पाकिस्तान में अब तेल और गैस खोजने वाली तीन ही अंतरराष्ट्रीय कंपनियां बची हैं। इसके चलते पाकिस्तान में तेल उत्पादन में 50 फीसदी की गिरावट आ गई है।

ऊर्जा संकट से जूझ रहा पाकिस्तान पेट्रोल-डीजल और प्राकृतिक गैस के आयात पर हर साल 1.91 लाख करोड़ रुपए खर्च करता है। इसमें से 1.33 लाख करोड़ से पेट्रोल-डीजल और 54 हजार करोड़ रुपए गैस के पर खर्च होते हैं।

पाकिस्तान सरकार से जुड़े एक अधिकारी का कहना है कि विदेशी कंपनियों के छोड़कर जाने के बाद पाकिस्तान को विदेश से ज्यादा तेल और गैस का आयात करना पड़ सकता है, जिससे आर्थिक संकट और नकदी की कमी से जूझ रहे पाक के लिए और बुरे दिन आ सकते हैं।

20 साल से काम कर रही इटली की कंपनी ने भी पाक छोड़ा: एक्सपर्ट का कहना है कि कोई भी कंपनी बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वाह में अपना काम कैसे जारी रख सकती है? वहां काम करने के हालात ही नहीं है। कंपनियों के कर्मचारियों पर लगातार हमले होते रहे हैं।

कंपनियों के बार-बार मदद मांगने के बाद भी सुरक्षा प्रदान नहीं की गई। इसी वजह से पाकिस्तान में 20 साल से काम कर रही इटली की तेल और गैस कंपनी ईएनआई को देश छोड़ना पड़ा। वह अपना सारा बिजनेस पाक की स्थानीय कंपनी हुबको को बेचकर चली गई। यह कंपनी 2018 में हर रोज 30 लाख क्यूबिक मीटर गैस प्रति दिन पाकिस्तान को सप्लाई करती थी। यह कंपनी दुनिया की 7 सुपर मेजर तेल कंपनियों में से एक और पाकिस्तान की सबसे बड़ी गैस उत्पादक कंपनी है। इससे 2 साल पहले, सिंगापुर की कंपनी पूमा एनर्जी भी पाक छोड़ चुकी है।

हालात नहीं सुधरे तो सबसे बड़ा असर आम लोगों पर पड़ेगा: पूर्व पेट्रोलियम सचिव और ऊर्जा मामलों के विशेषज्ञ गुलाम साबरी ने कहा कि सुरक्षा स्थिति के अलावा राजनीतिक अस्थिरता और कारोबार के अनुकूल नीतियों की कमी ने हालात और जटिल बना दिए हैं।

सरकार और इंडस्ट्री में संवाद नहीं होने से हालात बुरे होते जा रहे हैं। साबरी कहते हैं कि नाइजीरिया ने हालात सुधारे हैं तो पाक क्यों नहीं सुधार सकता स्थिति नहीं सुधरी तो इसकी सबसे बड़ी मार आम लोगों पर पड़ेगी, उन्हें पेट्रोल-डीजल और गैस के लिए ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं। नाम गोपनीय रखने की शर्त पर एक एक्सपर्ट का कहना है कि जब पाकिस्तान चीन के सीपेक कॉरिडोर को सुरक्षा देने के लिए सेना की ब्रिगेड बना सकता है तो देश को घाटे से बचाने वाली तेल और गैस कंपनियों को सुरक्षा मुहैया क्यों नहीं करा सकता? पाकिस्तान के पास अभी 27 अरब बैरल का तेल भंडार और लगभग 150 ट्रिलियन क्यूबिक फीट गैस के भंडार है।

हिंद महासागर में इजराइली जहाज पर ड्रोन हमला, अमेरिका ने ईरान पर लगाया आरोप

दुबई, एजेंसी। हमास और इजराइल के मध्य युद्ध के बीच हिंद महारासागर में एक संदिग्ध ईरानी ड्रोन ने एक इजराइली अरबपति के कंटेनर पोत पर हमला कर दिया। एक अमेरिकी रक्षा अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। 'सीएमए सीजीएम सायमी पर शुक्रवार को यह हमला ऐसे समय में किया गया, जब कई सप्ताह से जारी इजराइल-हमास युद्ध के कारण वैश्विक नौवहन को निशाना बनाए जाने की घटनाएं बढ़ रही हैं। इजराइल और हमास के बीच समझौते के तहत चार दिवसीय युद्ध विराम प्रभावी हो गया है। हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों और इजराइल में कैद फिलीलस्तीनी नागरिकों की इस युद्ध विराम की अवधि में अदला-बदली की जा रही है।

अमेरिका के एक रक्षा अधिकारी ने अपनी पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि ऐसा संदेह है कि अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में माल्टा के ध्वज वाले पोत को बम से लैस त्रिकोण आकार के शहीद-136 ड्रोन ने निशाना बनाया। ड्रोन में विस्फोट के कारण पोत को नुकसान हुआ, लेकिन चालक दल का कोई सदस्य हताहत नहीं हुआ। अधिकारी ने कहा, ''हम हालात पर निकटता से नजर रख रहे हैं। अधिकारी ने यह बताने से इनकार कर दिया कि अमेरिकी सेना ऐसा क्यों मानती है कि हमले के पीछे ईरान का हाथ है।

राजनीतिक रूप से ईरानी समर्थित लेबनानी आतंकवादी समूह हिजबुल्ला से संबद्ध 'अल-मायादीन अरब उपग्रह चैनल ने कहा कि हिंद महासागर में एक इजराइली पोत को निशाना बनाया गया है। चैनल ने इसे लेकर अज्ञात स्रोतों का हवाला दिया, जिसे बाद में ईरानी मीडिया ने भी उद्धृत किया। सायमी का स्वामित्व सिंगापुर स्थित ईस्टर्न पैसिफ़िक शिपिंग के पास है, जो इज़राइली अरबपति इदान ओफ़र द्वारा नियंत्रित कंपनी है। फ्रांस के मार्सिले में स्थित प्रमुख जहाजरानी कंपनी 'सीएमए सीजीएम ने इस मामले में फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की है।

नेपाल पीएडीटी की चेतावनी– भारत में किसी को पशुपतिनाथ मंदिर प्रतिरूप बनाने की नहीं अनुमति

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के 'पशुपति एरिया डेवलपमेंट ट्रस्ट (पीएडीटी) के अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि यहां स्थित विश्व प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर की प्रतिकृति (मॉडल) भारत में बनाने की अनुमति किसी को नहीं दी गई है।

पीएडीटी का एक बयान मीडिया में आई इन खबरों के बाद आया है जिनमें कहा गया है कि काठमांडू स्थित पशुपतिनाथ मंदिर की प्रतिकृति का निर्माण उत्तराखंड के एक गांव में किया जा रहा है। सदियों पुराना यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है।

पीएडीटी के कार्यकारी निदेशक डॉ. घनश्याम खातीवाड़ा ने एक बयान में कहा, ''इस खबर में कोई सच्चाई नहीं है कि पशुपतिनाथ मंदिर भारत के उत्तराखंड में बनाया जा रहा है और ट्रस्ट का ध्यान इस झूठी खबर की ओर आकर्षित किया गया है। खातीवाड़ा ने 'पीटीआई-भाषा से कहा, ''हम मीडिया के एक धड़े में प्रसारित ऐसी झूठी खबर पर आपत्ति जताते हैं। काठमांडू के बाहर पूर्वी इलाके में पवित्र बागमती नदी के तट पर स्थित पशुपतिनाथ मंदिर नेपाल में सबसे प्रतिष्ठित हिंदू मंदिर है।

वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन से पहले जापान पहुंचे गुजरात के सीएम भूपेन्द्र पटेल

टोक्यो , एजेंसी। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल आज जापान पहुंचे है। पटेल का जापान में भारतीय राजदूत सिबी जॉर्ज ने टोक्यो हवाई अड्डे पर स्वागत किया।

बता दें कि वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन से पहले साझेदारी को मजबूत करने के लिए भूपेन्द्र पटेल जापान में उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। पटेल के साथ आए प्रतिनिधिमंडल में राज्य के कई वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग जगत के नेता और व्यवसायी शामिल है। इस बीच पटेल ने कहा कि वह गुजरात और जापान के बीच संबंधों और अवसरों को मजबूत करने के लिए तत्पर हैं।

जापान में भारतीय दूतावास ने किया पटेल का स्वागत: जापान में भारतीय दूतावास ने (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया, गुजरात राज्य के माननीय मुख्यमंत्री महामहिम भूपेन्द्रभाई पटेल का उनकी जापान यात्रा पर स्वागत करते हुए सम्मानित महसूस कर रहा हूँ। टोक्यो में नारिता हवाई अड्डे पर आगमन पर राजदूत सिबी जॉर्ज ने माननीय मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए गुजरात सीएम ने कहा, गर्मजोशी से स्वागत के लिए धन्यवाद राजदूत सिबी जॉर्ज। गुजरात और जापान के बीच संबंधों को मजबूत करने और सहयोग के अवसर तलाशने के लिए तत्पर हूं।

जनवरी में होगा वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट: पटेल ने यामानाशी शहर के गवर्नर कोटारो नागासाकी से भी मुलाकात की और उनके साथ विचार-विमर्श किया। सीएम ने उनके साथ सौर ऊर्जा पर एक प्रस्तुतिकरण में भी भाग लिया। उन्होंने जापान में नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्र का भी दौरा किया। बता दें कि वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट अगले साल जनवरी में गांधीनगर में होगा। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। जापान यात्रा पर निकलने से पहले, पटेल ने कहा था कि गुजरात जापान के साथ एक विशेष बंधन साझा करता है क्योंकि कई जापानी कंपनियां गुजरात राज्य में काम करती हैं और राज्य के विकास में योगदान देती हैं।

टोक्यो में गुजराती समुदाय से करेंगे मुलाकात: गुजरात के मुख्यमंत्री ने कहा कि वह 10वें वाइब्रेंट शिखर सम्मेलन में जापान के व्यापार और उद्योग जगत के नेताओं को आमंत्रित करने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि वह टोक्यो में गुजराती समुदाय के साथ भी बातचीत करेंगे। सीएम पटेल ने एक्स पर पोस्ट किया, मैं आज गुजरात सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ जापान की यात्रा के लिए रवाना हो रहा हूं। गुजरात 2009 से लगातार जीवंत गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन में भाग ले रहा है और कई जापानी कंपनियां वर्तमान में गुजरात में काम कर रही हैं और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। हमारा जापान के साथ एक विशेष बंधन है। पटेल ने कहा, हमें विश्वास है कि शिखर सम्मेलन की जीवंत पृष्ठभूमि में यह यात्रा गुजरात में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करने के साथ-साथ जापान के साथ गुजरात के संबंधों को मजबूत करने में मदद करेगी।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक:- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पता:- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मो:- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार, आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।